Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 254 | बुधवार, 23 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

नियुक्ति पाने वालों से पैसे मांगने वाले को जेल में सड़ना पड़ेगा: सीएम योगी

अब कोई सैफई सिंडिकेट प्रतिभावान छात्रों के हितों पर डकैती डालने का दुस्साहस नहीं कर सकता: मुख्यमंत्री

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए कहा कि अब कोई सैफई सिंडिकेट प्रतिभावान छात्रों के हितों पर डकैती डालने का दुस्साहस नहीं कर सकता। इसीलिए उत्तर प्रदेश पुलिस में अच्छा काम करने वाले अधिकारियों को आयोग और बोर्डों की दिशा-दशा सुधारने का दायित्व दिया गया है। पहले युवाओं को उनके अधिकार से वंचित कर दिया जाता था। लेकिन, अब नियुक्ति पाने वाले किसी भी अभ्यर्थी से पैसे की मांग करने वाले को जेल में सड़ना पड़ेगा। आज का कार्यक्रम केवल नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा से जुड़े चारों स्तंभ, सहायक अध्यापक, प्रवक्ता, प्रधानाध्यापक और प्रधानाचार्य को एक साथ जोड़ने वाला विशेष अवसर है। यहां 3,567 लोगों का चयन कर उनके हाथों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 3,567 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं और पिछले एक सप्ताह में वह 5,297 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर चुके हैं। पिछले नौ वर्ष में 9.5 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं। हमने सैफई सिंडिकेट से कहा है कि हम नियुक्ति पत्र देते जाएंगे, वे गिनते जाएं। सीएम ने तंज कसा कि यदि गिनती नहीं आती हो तो शिवपाल जी के सानिध्य में बैठ जाएं, बहुत अच्छी गिनती सीख जाएंगे।

अगले छह महीने में एक लाख और युवाओं को सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ साल में साढ़े नौ लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। अगले छह महीने के अंदर एक लाख और युवाओं को सरकारी नौकरी देने जा रहे हैं। जब लोग परिणाम पूछते हैं तो मैं कहता हूं कि परिणाम यह है कि जो उत्तर प्रदेश नौ वर्ष पहले बीमारू राज्य कहा जाता था, आज भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बना हुआ है। बॉटम फाइव से टॉप-थ्री में आया है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने और प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफलता मिली है। यही युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा है।

यूपी के सामने पहचान का संकट खड़ा किया गया था

सीएम योगी ने कहा कि आज यूपी के नौजवानों के लिए पूरी दुनिया खुली है। जिन लोगों ने उनके सामने पहचान का संकट खड़ा किया था, वे यहां नौकरी देते नहीं थे और दुनिया 'यूपी वाला' कहकर हमारे युवाओं को शक की निगाहों से देखती थी। जिनके कारनामों से प्रदेश थरार्ता था, वही लोग आज उपदेश देते फिर रहे हैं। आज नियुक्ति पाने वालों में बहुत से ऐसे होंगे जिन्होंने पहली बार प्रतियोगी परीक्षा दी होगी। कई ऐसे भी होंगे जिन्हें पहले अवसर नहीं मिला होगा। यदि किसी ने पहली बार प्रतियोगी परीक्षा दी है तो स्वाभाविक रूप से दस वर्ष पहले उसकी उम्र 13 से 16-17 वर्ष के बीच रही होगी। उस उम्र में बच्चा मां-बाप पर ज्यादा आश्रित रहता है और माता-पिता उसकी हर जरूरत पूरी करने में योगदान देते हैं। ऐसे बच्चों को यह बताने की आवश्यकता है कि 2017 के पहले क्या होता था। परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति पत्र उसे दिया जाता था, जिसने फॉर्म तक नहीं भरा होता था। यह अराजकता, बेईमानी और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा थी।

एक शिक्षक 100 छात्रों से संवाद करे तो 3,567 शिक्षक 3.5 लाख से अधिक बच्चों का मार्गदर्शन करेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि एक शिक्षक प्रतिवर्ष 100 छात्रों के साथ इंटरेक्शन करता है तो 3,567 शिक्षक एक वर्ष में 3.5 लाख से अधिक बच्चों के साथ संवाद और उनका मार्गदर्शन करेंगे। बच्चों को गाइड करना, उनका मार्गदर्शन करना ही नए भारत की आधारशिला है। भारत तब विश्वगुरु था, जब वह दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों का संचालन करता था। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालय भारत की धरोहर रहे हैं। यह धरोहर पहले से मौजूद है, केवल उसे पहचानने और जानने की आवश्यकता है। सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर दे सकती है, लेकिन उस इंफ्रास्ट्रक्चर पर गति कैसे होनी चाहिए, यह शिक्षक द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थी तय करेगा। सरकार उद्योग लगाने का माहौल दे सकती है और उद्योग लगाने में मदद कर सकती है, लेकिन वह उद्योग इनोवेशन और रोजगार का आधार बनेगा या नहीं, यह प्रशिक्षित छात्र तय करेंगे। सरकार लैब बना सकती है, लेकिन वह लैब बेहतरीन शोध का आधार बने और छात्र उसके योग्य बनें, यह शिक्षक द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थी तय करेंगे। जब यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, तभी आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना पूरी होगी।

श्रीराम, कृष्ण, चाणक्य से लेकर मालवीय और कलाम तक, गुरु की भूमिका रही विशिष्ट

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नियुक्ति पाने वाले सभी लोग एक बड़े और पवित्र अभियान के साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके जीवन में पग-पग पर ऐसी परिस्थितियां आईं, जहां गुरु की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पहले गुरु वशिष्ठ का सानिध्य मिला। गुरुकुल में रहकर भगवान राम ने अपने अनुजों के साथ जीवन के बारे में जाना और गुरु विश्वामित्र के सानिध्य में आने पर जीवन का उद्देश्य समझा तथा दिव्य अस्त्र-शस्त्र का ज्ञान प्राप्त किया। राम मयार्दा के आदर्श हैं और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। जब यही गुरुतर दायित्व महर्षि वाल्मीकि के हाथों में आया तो उन्होंने वाल्मीकि रामायण के माध्यम से इसे आगे बढ़ाया। उत्तर और दक्षिण को जोड़ने का दायित्व जब महर्षि अगस्त्य के सामने आया तो उन्होंने भी उस कार्य को पूरा किया।

स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी व अटल टिंकरिंग लैब से बच्चों को मिलेगा नया वातावरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी और अच्छी लैबोरेटरी होगी तो बच्चे उससे प्रभावित होंगे। विद्यालयों में अटल टिंकरिंग लैब बन रही हैं। औद्योगिक घरानों के साथ मिलकर स्किल डेवलपमेंट के नए-नए कार्यक्रम भी आगे बढ़ाए जा रहे हैं। यह काम 2017 के पहले भी हो सकता था, लेकिन रुचि का अभाव था। सरकार का विजन नहीं था और करने की इच्छाशक्ति नहीं थी। अपना एक सीमित एजेंडा था और उस सीमित एजेंडे के साथ यूपी के युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ होता था।

2015-16 में घूसखोरी का शिकार बने युवा का सपना साकार

मुख्यमंत्री ने हाल में नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले एक नौजवान के इंटरव्यू का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस युवक की आंखों में आंसू भरे थे और उसने बताया कि 2015-16 में भी उसने इस पद के लिए आवेदन किया था। उससे आठ लाख रुपये की मांग की गई थी। वह खेत बेचकर पैसा लेकर आया, लेकिन तब तक उससे अधिक पैसा देने वाला दूसरा व्यक्ति आ गया और वह नौकरी से वंचित रह गया। आज उसका सपना साकार हुआ है और जिस पद के लिए उसने आवेदन किया था, उसी पद पर उसे नियुक्ति मिल गई है। पूरी प्रक्रिया निरस्त की गई और उस युवा को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ।

किसी ने लेनदेन की बात की तो जेल में सड़ेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा सभी शिक्षकों को दी है। यह सुविधा शासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी दी गई है। बेसिक शिक्षा में रसोइयों, शिक्षामित्रों और अन्य संबंधित कर्मियों को भी इसका लाभ दिया गया है, जिससे वे निश्चिंत होकर कार्य कर सकें। किसी भी शिक्षक को ज्वाइनिंग में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। यदि किसी प्रबंधक की कोई जिज्ञासा है तो वह शासन के समक्ष उपलब्ध कराए, लेकिन नियुक्ति पत्र प्राप्त होने के बाद यदि किसी प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता या शिक्षक से किसी ने लेनदेन की बात की तो उसे जेल में सड़ना पड़ेगा। हमें सख्त सख्त कार्रवाई पर मजबूर होना पड़ेगा।

जोधपुर में गरजेगा अमेरिकी एफ-35, आईएएफ की तरंग शक्ति 2026 में पहली बार होगा शामिल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के ऋ35 स्टील्थ फाइटर जेट्स पहली बार भारतीय वायु सेना के साथ मिलकर होने वाली मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति 2026' में जॉइंट कॉम्बैट ड्रिल में हिस्सा लेंगे। यह बड़ी एयर डिफेंस एक्सरसाइज राजस्थान के जोधपुर एयर फोर्स स्टेशन पर 26 सितंबर से 12 अक्टूबर के बीच होगी। वायु सेना के वाइस चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने इस तैनाती के रणनीतिक महत्व और ऑपरेशनल संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, स्टील्थ एयरक्राफ्ट की पहली बार टैक्टिकल भागीदारी की पुष्टि की। टैक्टिकल ड्रिल के लिए भारतीय आसमान में F-35 के आने के बारे में प्रेस को जानकारी देते हुए, एयर मार्शल दीक्षित ने एएनआई से कहा कि हम पहली बार F-35 के साथ अभ्यास करने जा रहे हैं। यह आ रहा है। यह पहले भी भारत आ चुका है। यह 'एरो इंडिया' का हिस्सा था और फिर तिरुवनंतपुरम में फंस गया था। आप

सभी ने वह देखा होगा। अब हम इसके साथ अभ्यास करेंगे और शायद अभ्यास के बाद हम इसके बारे में और बात कर पाएंगे, या हो सकता है कि हम इसके बारे में बात न करना चाहें। यहाँ ऑपरेशनल सिक्योरिटी (संचालन सुरक्षा) का थोड़ा मामला है। 'तरंग शक्ति' का आयोजन इस बात को दिखाता है कि क्अत्रपारंपरिक दो-देशों वाले अभ्यास से आगे बढ़कर जटिल, कई देशों के साथ मिलकर लड़ने वाले कॉम्बैट इंटीग्रेशन की ओर बढ़ रहा है। एयर मार्शल दीक्षित ने बताया, 'कई सालों तक, विदेशी वायु सेनाओं के साथ ऑपरेशनल जुड़ाव मुख्य रूप से द्विपक्षीय अभ्यासों के जरिए होता था। हमने एक बार में एक पार्टनर के साथ काम करना सीखा। 'तरंग शक्ति' ने उस नजरिए को बदल दिया। उन्होंने कहा कि 2024 में हमने पहली बार भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित एक बड़े मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज में कई वायु सेनाओं को एक साथ इकट्ठा किया... अब हम उस अनुभव को आगे बढ़ाना चाहते हैं और 'तरंग शक्ति 26' को अगला स्वाभाविक कदम बनाना चाहते हैं। हाल के क्षेत्रीय संघर्षों और घरेलू सैन्य अभियानों पर बात करते हुए, वाइस चीफ ने इंटीग्रेटेड डिफेंस, सटीक हमले काउंटर-अनमैन्ड एरियल सिस्टम (C-वअर) और स्पेस-बेस्ड इंटेलिजेंस के बढ़ते महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, हमारे आस-पास की दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। हाल के संघर्षों ने सटीकता, इंटीग्रेटेड डिफेंस, अनमैन्ड सिस्टम, सूचना पर दबदबा, स्पेस-बेस्ड क्षमताएं और मल्टी-डोमेन ऑपरेशन में इन सभी को एक साथ लाने की क्षमता के महत्व को साबित किया है।'

'देखिए ना सम्राट चौधरी ने मेरे भाई को ठोकवा दिया', तेजस्वी पर जीतन राम मांझी का तंज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। जमुई में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का वीडियो वायरल होने के बाद सियासत जारी है। मंगलवार को मुख्य आरोपी नंदन यादव का पुलिस के साथ हाफ एनकाउंटर हुआ, जिसमें उसके पैर में गोली लगी। इस घटना के बाद हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोल दिया। मांझी ने एक्स पर लिखा कि HAM बोलते नहीं करके दिखलाते हैं। जमुई वाले मामले की जानकारी तो सबको लग ही गई होगी। पर इसमें हम आपको लेटेस्ट जानकारी दे देतें हैं। राजद नेता पर वार करते हुए मांझी ने कहा कि तेजस्वी जी कहते रहें हैं ना कि बिहार-यूपी का हर 'यादव' उनका भाई है। तो उन्हीं भाईयों में से कुछ भाईयों ने जमुई में लड़की छेड़कर विडियो बनाया था ताकि हमारी सरकार को बदनाम किया जा सके। अब तेजस्वी यादव कहेंगें 'देखिए ना सम्राट चौधरी ने मेरे भाई को ठोकवा दिया।' मैं अभी भी कहूँगा तेजस्वी जी अपने भाईयों को सचेत कर दिजिए, नहीं तो सम्राट की सरकार किसी को बख़्शने वाली नहीं है। 'सम्राट का सुशासन' है भाई। आपको बता दें कि जमुई में नाबालिग के साथ छेड़छाड़ के मामले का मुख्य आरोपी नंदन यादव मंगलवार को बिहार पुलिस के साथ हुई एक 'हाफ एनकाउंटर' में घायल हो गया।

ड्रग्स के खिलाफ 7 पैमानों पर तेलंगाना एएनटीएफ का 80% से ज्यादा स्कोर, केंद्र से मिला राष्ट्रीय सम्मान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। ड्रग तस्करी और नशीले पदार्थों के गलत इस्तेमाल से निपटने की तेलंगाना की कोशिशों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। राज्य के नारकोटिक्स ब्यूरो और ईगल फोर्स ने एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के कामकाज का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए सात पैमानों पर 80% से ज्यादा अंक हासिल किए। तेलंगाना ईगल फोर्स के डायरेक्टर संदीप सांडिल्य ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की देखरेख में नई दिल्ली में मंगलवार को आयोजित एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से तेलंगाना पुलिस की ओर से यह राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त किया। तेलंगाना के DGP के अनुसार, इस सम्मेलन में देश भर के वरिष्ठ अधिकारी ड्रग तस्करी से निपटने के लिए मिलकर रणनीति बनाने, अलग-अलग एजेंसियों के बीच सहयोग को मजबूत करने और देश के एंटी-नारकोटिक्स ढांचे को बेहतर बनाने पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए। राज्य की ANTF (एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स) के काम-काज का आकलन सात मुख्य पैमानों पर किया गया – खुफिया ऑपरेशन; प्रीकर्सर और सिंथेटिक ड्रग्स पर नियंत्रण; मुकदमा चलाना; मांग और नुकसान को कम करना; तालमेल और क्षमता निर्माण; रिसर्च और एनालिसिस; और प्रशासन व लॉजिस्टिक्स। इस आकलन में तेलंगाना ने 80% से ज्यादा स्कोर किया। मुकदमा चलाने की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए, राज्य ने कानूनी जांच, न्यायिक विश्लेषण, गवाहों की सुरक्षा और मुकदमे में मदद के लिए खास सपोर्ट सिस्टम बनाए हैं। DGP CV आनंद ने कहा कि वे 'ईगल फोर्स' के काम-काज की लगातार समीक्षा करते रहे हैं और ज़िला पुलिस अधीक्षकों व यूनिट अधिकारियों को ड्रग तस्करी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने को प्राथमिकता देने का निर्देश देते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ज़िलों के दौरे और समीक्षा बैठकों के दौरान, उन्होंने खुफिया जानकारी जुटाने, नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों की जांच, ड्रग नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई और प्रभावी ढंग से मुकदमा चलाने पर जोर दिया। 'ईगल फोर्स' और ज़िला पुलिस यूनिट्स की मिली-जुली कोशिशों ने राष्ट्रीय स्तर के इस आकलन में राज्य के अच्छे प्रदर्शन में योगदान दिया।

फेस्टिव सीजन में आपकी जेब पर नहीं पड़ेगा भारी हवाई किराए का बोझ, सरकार की एयरलाइंस को सख्त हिदायत

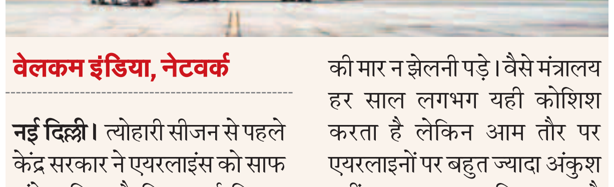

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को साफ संदेश दिया है कि हवाई किराए वाजिब स्तर पर रखे जाएं। नागरिक विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि त्योहारों और बड़े मौकों पर मंत्रालय एयरलाइनों से लगातार बात करता है और नियमित बैठकें होती हैं। सरकार का आग्रह है कि जो यात्री इन दिनों घर जाना चाहते हैं, उन्हें ऊंचे किराए की मार न झेलनी पड़े। वैसे मंत्रालय हर साल लगभग यही कोशिश करता है लेकिन आम तौर पर एयरलाइनों पर बहुत ज्यादा अंकुश नहीं लग पाता। असलियत यह है कि निजी एयरलाइनों पर कानूनी तौर पर किराए को लेकर सरकार एक सीमा तक ही दबाव बना सकती है। मांग बढ़ते ही टिकट महंगे हो जाते हैं। पिछले वर्षों में दीवाली-दशहरा के आसपास कई रूटों पर किराए सामान्य दिनों से दोगुने तक चले गए।

'वंदे मातरम न गाने पर नहीं हो सजा': सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब, क्या पूरा गाना जरूरी है?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। वंदे मातरम गाने से इनकार करने वाले किसी को दंडित नहीं किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह इस मामले में 1986 के अपने उस फैसले को ध्यान में रखे, जिसमें अंतरात्मा के आधार पर राष्ट्रगान गाने से इनकार करने वाले स्कूली बच्चों को संरक्षण दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। मामला कर्नाटक संगीत के गायक टीएम कृष्णा की याचिका से जुड़ा है, जिसमें 2026 में संशोधित कानून के तहत वंदे मातरम के सभी छह अंतरों के गायन को लेकर सवाल उठाए गए हैं। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अदालत यह तय करने नहीं जा रही है कि राष्ट्रीय गीत क्या होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत के रूप में क्या तय किया जाए, यह राज्य के अधिकार क्षेत्र का विषय है। पीठ ने यह भी कहा कि अदालत राष्ट्रीय भावनाओं या वंदे मातरम से जुड़ी आकांक्षाओं पर फैसला देने के लिए नहीं बैठी है। उसका ध्यान इस बात पर रहेगा कि कानून के तहत 'कर्तव्यनिष्ठ आपत्तिकर्ता' के अधिकार सुरक्षित हैं या नहीं। याचिका में वंदे मातरम के पूरे छह अंतरों को राष्ट्रीय गीत का आधिकारिक संस्करण मानने की व्यवस्था को भी चुनौती दी गई है। इसके अलावा, जहां वंदे मातरम और राष्ट्रगान दोनों गाए या बजाए जाते हैं, वहां वंदे मातरम को पहले रखने से जुड़े निर्देश पर भी सवाल उठाया गया है। कृष्णा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर ने कहा कि संशोधित कानून में 'राष्ट्रीय गीत' की स्पष्ट परिभाषा नहीं दी गई है। उनके मुताबिक इससे कानून की व्याख्या को लेकर अस्पष्टता और संभावित दुरुपयोग की गुंजाइश बनती है। उन्होंने यह भी दलील दी कि गृह मंत्रालय के निर्देश कार्यालय ज्ञापन के जरिए जारी किए गए और उन्हें राजपत्र में प्रकाशित नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि संशोधित कानून पर विचार करते समय बिजो इमैनुएल बनाम केरल राज्य मामले में 1986 में दिए गए फैसले के सिद्धांत को ध्यान में रखा जाना चाहिए। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उन स्कूली बच्चों को संरक्षण दिया था, जिन्होंने अपनी अंतरात्मा के आधार पर राष्ट्रगान गाने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति धार्मिक आधार या अपनी अंतरात्मा के कारण वंदे मातरम गाने से इनकार करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। टीएम कृष्णा ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 की धारा 3 में 2026 में किए गए संशोधन और गृह मंत्रालय की 28 जनवरी तथा 9 जुलाई 2026 की ओर से जारी व्यवस्थाओं को चुनौती दी है।

संशोधित धारा 3 के तहत राष्ट्रीय गान या राष्ट्रीय गीत के गायन को जानबूझकर रोकने या ऐसे गायन में लगे किसी समूह में व्यवधान डालने पर तीन साल तक की जेल, जुमार्ना या दोनों का प्रावधान है।

संपादक की कलम

कर्ज की वसूली हो, लेकिन कानून की हद में

ललित शर्मा
संपादक

कर्ज लेना एक आर्थिक अनुबंध है। कर्ज की राशि निर्धारित समय पर वापस न मिलने की स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्था को अपनी बकाया राशि वसूलने का अधिकार है। लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। कर्ज की वसूली के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया कानून, ऋण समझौते और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निदेशों के अनुरूप होनी चाहिए। किसी व्यक्ति के ऊपर कर्ज बकाया होने का अर्थ यह नहीं है कि वित्तीय संस्था उसके साथ बलपूर्वक, अपमानजनक या मनमाने तरीके से व्यवहार कर सकती है। सर्वोच्च न्यायालय का हालिया फैसला इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करता है। मामला उत्तर प्रदेश के हरि दत्ता शर्मा से संबंधित है। उन्होंने वर्ष 2019 में टाटा एसएफसी 407 ट्रक खरीदने के लिए चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से वाहन ऋण लिया था। ट्रक उनके लिए केवल एक वाहन नहीं था, बल्कि उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन था। ऋण की कुछ किस्तें बकाया होने के बाद वित्तीय संस्था और ऋणग्राही के बीच विवाद उत्पन्न हुआ। शर्मा का आरोप था कि 9 अप्रैल 2023 की रात लगभग एक बजे कुछ लोग उनके वाहन को जबरन ले गए। आरोप यह भी था कि वाहन का स्टीयरिंग लॉक तोड़ा गया और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया गया। इसके बाद वाहन को बेच दिया गया। मामला पहले उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद पीड़ित ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। हरि दत्ता शर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य, 2026 आईएनएससी 998 में सर्वोच्च न्यायालय ने पूरे मामले को केवल इस दृष्टि से नहीं देखा कि ऋण की किस्तें बकाया थीं। न्यायालय ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि बकाया राशि की वसूली के लिए किस प्रकार की प्रक्रिया अपनाई गई। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ऋणदाता को अपने वैध अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति है, लेकिन अधिकार का इस्तेमाल कानून की सीमा के भीतर ही किया जा सकता है। किसी वित्तीय संस्था का ऋण वसूलने का अधिकार उसे बलपूर्वक वाहन छीनने या कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं देता। ऋण की वसूली और व्यक्ति की गरिमा, दोनों के बीच कानूनी संतुलन आवश्यक है। इस मामले में ऋण समझौते में वाहन का कब्जा लेने से पहले सात दिन का नोटिस देने का प्रावधान था। न्यायालय ने पाया कि वाहन जब्त करने से पहले इस प्रावधान के अनुसार सात दिन का नोटिस नहीं दिया गया था। इसके अतिरिक्त वाहन को रात लगभग एक बजे ले जाने और स्टीयरिंग लॉक तोड़ने की घटना ने भी मामले को गंभीर बना दिया। न्यायालय ने इस प्रकार की कार्रवाई को विधिसम्मत और शांतिपूर्ण कब्जे की प्रक्रिया के अनुरूप नहीं माना। यहां यह समझना भी जरूरी है कि सात दिन का नोटिस हर प्रकार के वाहन ऋण की जब्ती के लिए सार्वभौमिक कानूनी नियम के रूप में निर्धारित नहीं किया गया है। इस मामले में सात दिन की अवधि संबंधित ऋण समझौते में निर्धारित थी। इसलिए इस फैसले का सही अर्थ यही है कि यदि ऋण समझौते में किसी निश्चित प्रक्रिया या नोटिस का प्रावधान है तो वित्तीय संस्था को उसका पालन करना होगा। साथ ही लागू कानून और भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निदेशों का भी पालन आवश्यक है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऋण वसूली के दौरान अनुचित दबाव, उत्पीड़न और बलप्रयोग के प्रश्न को भी गंभीरता से लिया। बैंक और वित्तीय संस्थाएं ऋण वसूली के लिए प्रतिनिधियों या वसूली एजेंटों की सहायता ले सकती हैं, लेकिन ऐसे प्रतिनिधियों को कानून के दायरे में ही कार्य करना होगा।

विश्वात्मा

मोनिका डागा

कविता

बॉंधे जाते हैं मन्नतों के धागे,
इस आस में रुका सौभाग्य जागे,
करुण प्रार्थनाएं परमेश्वर सुन ले,
लाखों की भीड़ में हमें बस वो चुन लें ।

तकनीकी रास्ते बंद जहॉं हो जाते,
याचक मुराद ले प्रभु के द्वार भागते,
अपराधों की क्षमा याचना कर प्रभु से,
होते हल्के चिंताओं के पहाड़ से ।

पीपल नीम कभी वट को सूत बॉंधतें,
गहरा विश्वास जगा मन्नतें मॉंगतें,
अशांत मन ताकि थोड़ा सुकून पा सके,
अतृप्त इच्छाशक्ति सजग हो जाग सके ।

तजकर अवसाद नया संबंध जोड़ते,
आस की दीप्ति से संशय बॉंध तोड़ते,
रमें कोशिशों में ये धागा बस दमकें,
फरियाद शीघ्र फलीभूत होकर चमकें ।

ये अटल विश्वास पुष्पित करता फल को,
धागा ये खुशियों से भर देता कल को,
रूकावट मन की है हम यह जानें तो,
'आनंद' यहीं है भीतर पहचानें तो ।

अनंत भंडार यहॉं लगती कमी हमें,
खोजते चाहतों को हम इसमें उसमें,
गहरा हो जब रिश्ता अंतर्रात्मा से,
अंकुरित तेज होता है विश्वात्मा से ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

ललित गर्ग
लेखक

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिभा की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी। आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे।

विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए।

शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है। सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है।

सफेद कोट, नए सपने: एमबीबीएस विद्यार्थियों की चिकित्सकीय यात्रा की शुरूआत

डॉ विजय गर्ग
लेखक

सफेद कोट देखने में भले ही एक साधारण परिधान लगे, लेकिन एक मेडिकल विद्यार्थी के लिए इसका अर्थ इसकी बाहरी सादगी से कहीं अधिक होता है। यह ज्ञान, जिम्मेदारी, करुणा, अनुशासन और मानव जीवन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसलिए व्हाइट कोट समारोह केवल नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत करने वाला एक औपचारिक आयोजन नहीं होता, बल्कि यह वह प्रतीकात्मक क्षण होता है जब युवा विद्यार्थी डॉक्टर बनने की दिशा में अपना पहला महत्वपूर्ण कदम उठाते हैं। नए प्रवेश लेने वाले एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए यह समारोह अक्सर एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। कई वर्षों की तैयारी, परीक्षाओं, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितताओं के बाद वे आखिर उस मेडिकल कॉलेज में प्रवेश करते हैं, जिसका उन्होंने सपना देखा होता है। जब सफेद कोट उनके कंधों पर डाला जाता है, तो एक नया अध्याय शुरू होता है-एक ऐसा अध्याय जो बौद्धिक जिज्ञासा, भावनात्मक परिपक्वता, लगन और गहरी जिम्मेदारी की मांग करता है।

केवल एक कोट से कहीं अधिक

सफेद कोट चिकित्सा पेशे के सबसे पहचानने योग्य प्रतीकों में से एक बन चुका है। यह उस विश्वास को दर्शाता है जो समाज स्वास्थ्य-सेवा से जुड़े पेशेवरों पर करता है। अस्पताल में आने वाला मरीज अक्सर सफेद कोट को ज्ञान और आशा के प्रतीक के रूप में देखता है। इसलिए इसे केवल पेशेवर वेशभूषा का हिस्सा समझना उचित नहीं है। एक एमबीबीएस विद्यार्थी के लिए सफेद कोट यह याद दिलाता है कि चिकित्सा शिक्षा का अंतिम उद्देश्य मानव सेवा है। हर निदान के पीछे एक इंसान होता है। हर मेडिकल रिपोर्ट के पीछे एक मरीज और उसका परिवार उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा होता है। हर चिकित्सकीय निर्णय किसी मानव जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए सफेद कोट सम्मान के साथ-साथ जिम्मेदारी भी लेकर आता है।

अभ्यर्थी से मेडिकल विद्यार्थी तक

मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने की यात्रा सामान्यतः आसान नहीं होती। विद्यार्थी कई वर्षों तक प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, स्कूल की पढ़ाई के साथ गहन अध्ययन करते हैं और अपने सामाजिक तथा व्यक्तिगत जीवन में कई प्रकार के समझौते करते हैं। परिवार भी इस सपने के लिए समय, संसाधन और भावनात्मक सहयोग देते हैं। इसलिए एमबीबीएस में प्रवेश एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि प्रवेश मंजिल नहीं, बल्कि एक लंबी यात्रा की शुरूआत है। प्रवेश परीक्षा तैयारी और शैक्षणिक योग्यता को परखती है। लेकिन चिकित्सा शिक्षा इससे कहीं अधिक की मांग करती है-जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझना, ज्ञान को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करना, मरीजों के साथ संवाद करना, टीम के रूप में काम करना, अनिश्चितताओं का सामना करना और जीवनभर सीखते रहना। व्हाइट कोट समारोह इस परिवर्तन का प्रतीक है-तैयारी से पेशेवर निर्माण की ओर एक कदम।

सफेद कोट के पीछे विज्ञान

चिकित्सा पेशा विज्ञान की मजबूत नींव पर टिका हुआ है। एनाटॉमी विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना सिखाती है। फिजियोलॉजी शरीर के विभिन्न तंत्रों के कार्य करने की प्रक्रिया समझाती है। बायोकैमिस्ट्री जीवन को संचालित करने वाली रासायनिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करती है। फार्माकोलॉजी दवाओं और उनके प्रभावों के बारे में बताती है। पैथोलॉजी रोगों को समझने में सहायता करती है, जबकि माइक्रोबायोलॉजी संक्रमण पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों का अध्ययन करती है। इसके बाद क्लिनिकल विषय और व्यावहारिक अनुभव आते हैं, जहां सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक मरीजों पर लागू करना सीखा जाता है। जानकारी की मात्रा कई बार बहुत अधिक लग सकती है। लेकिन चिकित्सा शिक्षा का उद्देश्य केवल हजारों तथ्यों को याद करवाना नहीं है। विद्यार्थियों को धीरे-धीरे वैज्ञानिक ढंग से सोचने, उचित प्रश्न पूछने, प्रमाणों को समझने और तर्कसंगत निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी होती है। चिकित्सा विज्ञान निरंतर बदल रहा है। नई बीमारियां सामने आती हैं, उपचार के तरीके बेहतर होते हैं, निदान तकनीकें विकसित होती हैं और वैज्ञानिक समझ में वृद्धि होती है। इसलिए भविष्य का डॉक्टर केवल मेडिकल कॉलेज में सीखी जानकारी पर निर्भर नहीं रह सकता। एक अच्छे डॉक्टर को जीवनभर सीखते रहना होगा।

केवल बीमारी नहीं, मरीज को देखना सीखें

चिकित्सा शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि मरीज केवल एक निदान नहीं होता। डायबिटीज से पीड़ित व्यक्ति केवल डायबिटीज का मरीज नहीं है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति केवल कैंसर का केस नहीं है। बुखार से पीड़ित बच्चा, सांस लेने में परेशानी वाला बुजुर्ग या चिंता का सामना कर रहा युवा-हर व्यक्ति की अपनी कहानी, पारिवारिक पृष्ठभूमि और भावनात्मक अनुभव होता है। इसलिए मेडिकल विद्यार्थियों को ध्यानपूर्वक सुनने की कला सीखनी चाहिए। कई बार मरीज अपने लक्षण स्पष्ट रूप से नहीं बता पाता। कभी डर उसे प्रश्न पूछने से रोक सकता है। कभी परिवार को चिकित्सकीय जानकारी के साथ-साथ विश्वास और हौसले की भी आवश्यकता होती है। मरीज को धैर्यपूर्वक सुनने की डॉक्टर की क्षमता कई बार प्रयोगशाला रिपोर्ट की व्याख्या करने की क्षमता जितनी ही महत्वपूर्ण हो सकती है।

योग्यता के साथ करुणा

चिकित्सकीय योग्यता और करुणा का विकास साथ-साथ होना चाहिए। वैज्ञानिक ज्ञान डॉक्टर को बीमारी समझने में मदद करता है, लेकिन करुणा उसे पीड़ित व्यक्ति को समझने में सहायता करती है। तकनीकी कौशल किसी प्रक्रिया को सही ढंग से करने में मदद कर सकता है, लेकिन सहानुभूति मरीज को सम्मान और सुरक्षा का अनुभव करा सकती है। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को शुरूआत से ही दोनों गुण विकसित करने चाहिए। उन्हें मरीजों से विनम्रता से बात करना, निजता का सम्मान करना, गोपनीय जानकारी की रक्षा करना और बिना आवश्यकता किसी के बारे में निर्णय न करना सीखना चाहिए। हर मरीज, उसकी आयु, सामाजिक स्थिति, आर्थिक पृष्ठभूमि या शिक्षा के स्तर से परे, सम्मान का अधिकारी है। एक सफल चिकित्सकीय करियर केवल परीक्षाओं और डिग्रियों से नहीं बनता। यह विश्वास से बनता है।

आगे आने वाली चुनौतियां

मेडिकल शिक्षा की यात्रा में कठिन क्षण अवश्य आएंगे। कठिन परीक्षाएं, विशाल पाठ्यक्रम, लंबी क्लिनिकल ड्यूटी और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। कभी-कभी आत्मविश्वास में भी कमी आ सकती है।

जो विद्यार्थी स्कूल में हमेशा अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं, वे महसूस कर सकते हैं कि मेडिकल शिक्षा स्कूली पढ़ाई से बिल्कुल अलग है। ज्ञान की मात्रा और जटिलता के कारण अध्ययन के नए तरीके अपनाने पड़ सकते हैं। कुछ विद्यार्थियों को शुरूआत में पाठ्यक्रम की गति के साथ तालमेल बैठाने में कठिनाई हो सकती है।

बेरोजगारी का आकर्षण: गर्भावस्था से मृत्योपरांत तक सब कुछ मुफ़्त

एनके शर्मा
लेखक

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि इस बात से नहीं मापी जा सकती कि उसकी सरकार कितनी वस्तुएँ मुफ्त बाँटती है। राष्ट्र की शक्ति इस बात से मापी जाती है कि उसके कितने नागरिक अपने श्रम, कौशल, ज्ञान और उद्यम से अपने जीवन का भार स्वयं उठाने में सक्षम हैं। सहायता तब तक कल्याण है, जब तक वह व्यक्ति को संकट से निकालकर अपने पैरों पर खड़ा करने का साधन बने; लेकिन जब सहायता ही जीवन की स्थायी व्यवस्था बन जाए और श्रम, रोजगार तथा आत्मनिर्भरता पीछे छूट जाएँ, तब कल्याणकारी राज्य और निर्भरता पैदा करने वाली व्यवस्था के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है।

आज भारत के सामने यही मूल प्रश्न खड़ा है-क्या हम नागरिकों को अवसर दे रहे हैं या केवल लाभार्थी बना रहे हैं?

गर्भावस्था से लेकर प्रसव, शिक्षा, भोजन, इलाज, आवास, बिजली, पानी, यात्रा, बेरोजगारी, वृद्धावस्था और मृत्यु के बाद तक यदि नागरिक के जीवन के प्रत्येक चरण में सरकार की भूमिका लगातार बढ़ती जाए, तो यह सुनने में मानवीय और आकर्षक अवश्य लगता है; लेकिन इसकी दूसरी तस्वीर भी देखनी होगी। इन सुविधाओं की कीमत अंततः किसी न किसी रूप में करदाता, उत्पादक अर्थव्यवस्था और भविष्य की पीढ़ियाँ चुकाती हैं। सामाजिक सुरक्षा आवश्यक है, परंतु सामाजिक सुरक्षा और स्थायी आर्थिक निर्भरता एक ही चीज नहीं हैं। दुनिया के विकसित देशों ने भी सामाजिक सुरक्षा की व्यापक व्यवस्थाएँ बनाई हैं, लेकिन उनके आर्थिक ढाँचे का आधार उत्पादकता, उच्च-कौशल रोजगार, उद्यमिता, औद्योगिक क्षमता और कर-आधारित वित्तीय अनुशासन है। विश्व बैंक भी सामाजिक सुरक्षा को रोजगार, उत्पादकता, कौशल और गरीबी से बाहर निकलने के रास्ते से जोड़ता है। भारत की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक ओर करोड़ों युवाओं के सामने रोजगार और गुणवत्तापूर्ण काम का प्रश्न है, दूसरी ओर राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श में रोजगार-सृजन से अधिक चर्चा कभी-कभी लाभ-वितरण की हो जाती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2024 की भारत रोजगार रिपोर्ट ने युवाओं के रोजगार, शिक्षा और कौशल को गंभीर चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा युवा महिलाओं की श्रम-भागीदारी में अत्यंत बड़ा अंतर बताया है। यहाँ एक असुविधाजनक प्रश्न पूछना आवश्यक है-यदि युवा को गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं मिलेगा तो केवल सहायता की राशि उसके भविष्य का निर्माण कैसे करेगी? बेरोजगारी केवल नौकरी न मिलने का नाम नहीं है। जब अर्थव्यवस्था पर्याप्त उत्पादक रोजगार पैदा नहीं करती, जब शिक्षा और उद्योग की जरूरतों में दूरी होती है, जब कौशल बाजार की मांग से मेल नहीं खाते और जब युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं, अस्थायी काम अथवा सीमित सरकारी पदों के पीछे दौड़ता रहता है, तब बेरोजगारी एक आर्थिक समस्या से बढ़कर सामाजिक मनोविज्ञान बन जाती है। यहीं आरक्षण का प्रश्न भी संवेदनशीलता और तथ्यपरकता से समझना होगा। भारत में आरक्षण का ऐतिहासिक आधार सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन तथा प्रतिनिधित्व से जुड़े संवैधानिक प्रावधान हैं। समय के साथ इसमें अनेक संवैधानिक संशोधन हुए हैं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए भी प्रावधान जोड़ा गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने एहर आरक्षण से संबंधित 2022 के निर्णय में इसकी संवैधानिक वैधता को स्वीकार किया। इसलिए आरक्षण को एक झटके में 'बेरोजगारी का कारण' घोषित करना तथ्यात्मक रूप से अत्यधिक सरलीकरण होगा। लेकिन यह प्रश्न पूरी तरह वैध है कि क्या आरक्षण की वर्तमान संरचना को समय-समय पर वास्तविक सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों, शैक्षिक उपलब्धि, पीढ़ीगत लाभ और अवसरों के विस्तार के आधार पर पुनर्मूल्यांकित किया जाना चाहिए? यदि किसी नीति का मूल उद्देश्य वंचित व्यक्ति को मुख्यधारा में लाना है, तो उसकी सफलता का अंतिम पैमाना यह होना चाहिए कि लाभार्थी अगली पीढ़ी में स्थायी रूप से अवसर-संपन्न और आत्मनिर्भर बने-न कि वह हमेशा लाभ की श्रेणी में बना रहे। सबसे खतरनाक स्थिति तब पैदा होती है जब सामाजिक न्याय का लक्ष्य अवसर-समानता से हटकर स्थायी राजनीतिक संरक्षण में बदल जाए। तब नीति का केंद्र व्यक्ति को सक्षम बनाना नहीं, बल्कि उसकी पहचान को लाभ प्राप्त करने का स्थायी आधार बनाना बन सकता है। ऐसी स्थिति सामाजिक गतिशीलता को भी प्रभावित कर सकती है और समाज में प्रतिस्पर्धा के बजाय श्रेणीगत असंतोष को बढ़ा सकती है। लेकिन इसका समाधान आरक्षण समाप्त करना मात्र नहीं है। समाधान उससे कहीं अधिक कठिन है-शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना, सरकारी विद्यालयों को सक्षम बनाना, कौशल प्रशिक्षण को उद्योग से जोड़ना, निजी निवेश को बढ़ाना, छोटे उद्यमों को विस्तार देना और प्रत्येक सक्षम व्यक्ति के लिए काम के अवसर पैदा करना। आज दुनिया में भी रोजगार की चुनौती गंभीर है। क्छड के अनुसार 2026 में वैश्विक रोजगार की ँिल्ली स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर होने के बावजूद नौकरी की गुणवत्ता और उत्पादकता में प्रगति असमान है तथा लगभग 20 प्रतिशत युवा रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण से बाहर हैं। भारत के संदर्भ में चुनौती और बड़ी है। विश्व बैंक ने जनवरी 2026 में कहा कि लगभग 1.2 करोड़ युवा प्रतिवर्ष भारतीय श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं और अगले चरण की आर्थिक वृद्धि के लिए निजी क्षेत्र आधारित रोजगार-सृजन को केंद्रीय प्राथमिकता माना गया है। जून 2026 में विश्व बैंक ने भारत के निजी क्षेत्र में रोजगार-सृजन और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए 1.5 अरब डॉलर के वित्तपोषण की घोषणा भी की। इसका अर्थ स्पष्ट है-भारत के सामने समस्या केवल 'बेरोजगारों को सहायता देने' की नहीं, बल्कि हर वर्ष श्रम बाजार में प्रवेश करने वाली विशाल युवा आबादी के लिए उत्पादक काम पैदा करने की है।

दीवान समूह में गूंजा 'वंदे मातरम', विराट महा-ध्यान कार्यक्रम का भव्य समापन

हजारों विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने लिया सामूहिक ध्यान, योग और जागरूकता कार्यक्रमों में हिस्सा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

मेरठ। दीवान समूह शिक्षण संस्थान, परतापुर बाईपास, मेरठ के विशाल प्रांगण में शिक्षा उत्कृष्टता परिसंघ एवं चेतना आधारित शिक्षा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय विराट सामूहिक महा-ध्यान कार्यक्रम का मंगलवार को भव्य एवं उत्साहपूर्ण समापन हुआ। कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक ध्यान, योग तथा विभिन्न जागरूकता गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ सुखासन एवं ध्यान अभ्यास के साथ हुआ। विद्यार्थियों को ध्यान की विभिन्न मुद्राओं, योगासनों तथा मानसिक एकाग्रता से जुड़े अभ्यास कराए गए। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ इन अभ्यासों में भाग लिया। इस दौरान उन्हें ध्यान के माध्यम से मानसिक एकाग्रता बढ़ाने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा अपने मन को शांत एवं संतुलित रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण महर्षि यूरोपीय अनुसंधान विश्वविद्यालय, नीदरलैंड के कुलपति राजा लुईस रहे, जो आभासी माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। शिक्षा उत्कृष्टता परिसंघ की अध्यक्ष डॉ. श्रुति अरोड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ध्यान का नियमित अभ्यास एकाग्रता, आत्म-जागरूकता और सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक हो सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से ध्यान एवं योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में परतापुर थाने की उपनिरीक्षक सीमा ने छात्र-छात्राओं को नारी शक्ति एवं मिशन शक्ति कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सहायता एवं आपातकालीन दूरभाष नंबरों के बारे में बताया। साथ ही विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य और करियर पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पुलिस की सहायता लेने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की जानकारी होना जरूरी है। विशेष रूप से छात्राओं को किसी भी परेशानी की स्थिति में चुप रहने के बजाय तत्काल अपने परिवार, विद्यालय प्रशासन या पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर दीवान समूह के अध्यक्ष विवेक दीवान, कार्यकारी निदेशक डॉ. (कर्नल) नरेश गोयल, चेतना आधारित शिक्षा के समन्वयक विजय विशाल कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। समापन अवसर पर संयुक्त शिक्षा निदेशक, प्रथम क्षेत्र, मेरठ ओमकार शुक्ला को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न विद्यालयों से कार्यक्रम में शामिल हुए प्रधानाचार्यों को प्रतीक-चिह्न एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि महा-ध्यान कार्यक्रम के दौरान सीखी गई सकारात्मक आदतों, योग, ध्यान और जीवनोपयोगी बातों को वे अपने दैनिक जीवन में अपनाएंगे। विद्यार्थियों ने कहा कि नियमित ध्यान और योग के माध्यम से वे अपने अध्ययन पर अधिक एकाग्रता के साथ ध्यान देने तथा जीवन में सकारात्मक सोच विकसित करने का प्रयास करेंगे।

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मानसिक एकाग्रता, आत्म-जागरूकता, सकारात्मक सोच और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व से परिचित कराया गया। आयोजकों ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. श्रुति अरोड़ा ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत करते हुए 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष करवाए। पूरे परिसर में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साह के साथ राष्ट्रभक्ति के नारे लगाए। जोशीले नारों और तालियों की गूंज के बीच दो दिवसीय विराट सामूहिक महा-ध्यान कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सिलाई प्रशिक्षण से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, प्रशिक्षण पूरा होने पर बांटे गये प्रमाण-पत्र

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। महिलाओं को जागरूक, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जानकी देवी फाउंडेशन द्वारा जनपद हापुड़ में सिलाई प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में शिवनगर, हापुड़ स्थित सिलाई केंद्र पर तीन माह का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।सिलाई केंद्र का संचालन मैडम खुशबू द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त किया। तीन माह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाली प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दौरान प्रमाण-पत्र वितरित किए गए ।कार्यक्रम में जानकी देवी फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं बहुजन समाज पार्टी की वरिष्ठ कार्यकर्ता संतोष सिंह, गीता देवी, पूनम, महिला जागृति फाउंडेशन की अध्यक्ष गीता पैट्रिक, बबीता, कुसुम, अशोक कुमार गौतम, अमरजीत भार्गव, जयप्रकाश, अनिल, सतीश आजाद, सतीश चंद्र वर्मा, दीपक बौद्ध, संजय वैद्य, दिलीप कुमार एडवोकेट, सुंदर मास्टर सहित संस्था के गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न सिलाई केंद्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं करीब 300 महिलाओं ने भी भाग लिया। संस्था पदाधिकारियों ने महिलाओं को अपने हुनर को रोजगार का माध्यम बनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ समाज में अपनी सशक्त पहचान भी बना सकती हैं।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक का सफर, पीएम आवास योजना-ग्रामीण ने बदली शीला देवी की जिंदगी

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध होने से उनके जीवन में स्थायित्व और खुशियां आ रही हैं। जनपद प्रतापगढ़ के विकास खण्ड आसपुर देवसरा के ग्राम पंचायत बेहटा निवासी शीला देवी पत्नी संतोष पाल के जीवन में भी प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने सकारात्मक बदलाव लाया है। शीला देवी की उम्र 39 वर्ष है। उनका परिवार पहले कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर था। बरसात के दिनों में कच्ची छत और दीवारों के कारण परिवार की परेशानियां और बढ़ जाती थीं। परिवार में एक पुत्र एवं दो पुत्रियां हैं। ऐसे में बच्चों के साथ सुरक्षित और पक्के मकान में रहने का सपना शीला देवी के लिए लंबे समय से एक बड़ी जरूरत थी। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत पात्रता के आधार पर शीला देवी को पक्का आवास बनाने के लिए तीन किश्तों में कुल 1,20,000 रुपये की धनराशि उनके बैंक खाते में उपलब्ध कराई गई। प्राप्त धनराशि एवं अपने परिवार के सहयोग से उन्होंने अपने पुराने कच्चे घर की जगह एक सुरक्षित और सुंदर पक्का आवास तैयार कराया। आज उनका परिवार अपने नए पक्के घर में सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहा है। पक्का आवास मिलने के साथ ही शीला देवी के परिवार को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं मूलभूत सुविधाओं का भी लाभ प्राप्त हुआ है। उनके घर में पेयजल, शौचालय और गैस कनेक्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही परिवार को राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। इन सुविधाओं ने परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को आसान बनाने के साथ ही जीवन स्तर में भी सुधार किया है। शीला देवी बताती हैं कि पहले कच्चे मकान में परिवार के साथ रहना काफी कठिन था। बारिश के समय घर की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती थी। पक्का आवास बनने के बाद परिवार को न केवल सुरक्षित छत मिली, बल्कि बच्चों के लिए भी बेहतर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हुआ है। अब परिवार को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी पहले जैसी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। शीला देवी के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण केवल एक मकान मिलने की योजना नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की नई शुरूआत साबित हुई है। पक्का आवास मिलने से उनके परिवार में खुशी का माहौल है और भविष्य के प्रति विश्वास बढ़ा है। अपने जीवन में आए इस सकारात्मक बदलाव के लिए शीला देवी एवं उनके परिवार ने माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को अपना पक्का घर और बेहतर जीवन जीने का अवसर मिल रहा है।

100 वर्ष और एक दिन की आयु में निधन, बुद्ध वंदना एवं पंचशील के साथ निकली अंतिम यात्रा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। शहर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं सम्राट बिल्डर्स एंड प्रॉपर्टीज ग्रुप के चेयरमैन विनोद कुमार सागर की माता का 100 वर्ष और एक दिन की आयु पूर्ण करने के बाद निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही परिवारजनों, रिश्तेदारों, समाजसेवियों एवं परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई मंगलवार, 22 सितंबर को दोपहर 12 बजे उनके निवास चमरी फाटक, हर्ष विहार से अंतिम यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा के दौरान बुद्ध वंदना एवं पंचशील का पाठ किया गया। श्रद्धा और सम्मान के साथ निकाली गई अंतिम यात्रा हापुड़ के प्राइवेट बस अड्डे के पीछे स्थित श्मशान घाट पहुंची, जहां परिजनों एवं समाज के लोगों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया संपन्न हुई ।इस अवसर पर बड़ी संख्या में परिवारजन, रिश्तेदार, समाजसेवी एवं परिचित अंतिम यात्रा में शामिल हुए और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोगों ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की ।समाजसेवा के क्षेत्र में विनोद कुमार सागर की अलग पहचान विनोद कुमार सागर शहर में समाजसेवा एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों के लिए अपनी पहचान रखते हैं। जरूरतमंदों की सहायता, सामाजिक आयोजनों में सहभागिता तथा समाज के विभिन्न वर्गों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने के कारण वे लोगों के बीच सम्मानित स्थान रखते हैं। उनके परिवार के सुख-दुख में समाज के लोगों की बड़ी संख्या में सहभागिता इसी सामाजिक जुड़ाव को दर्शाती है ।माता के निधन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने विनोद कुमार सागर एवं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में उन्हें धैर्य प्रदान करने की कामना की।

धौलाना में 18 सड़कों के निर्माण के लिए विधायक ने भेजे प्रस्ताव

हापुड़। धौलाना क्षेत्र में सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए विधायक धर्मेश तोमर के प्रस्ताव को लोक निर्माण विभाग ने शासन को भेजा है। करीब छह करोड़ से धौलाना क्षेत्र की 18 सड़कों की विशेष मरम्मत का कार्य किया जाएगा। शासन से अनुमति मिलते ही इन सड़कों का कार्य शुरू किया जाएगा। भेजे गए प्रस्ताव में डासना धौलाना गुलावठी मार्ग, मोदीनगर हापुड़ के किलोमीटर 18 से बदनौली की मढैया से मंदिर तक, अमीरपुर नंगौला मार्ग से हैदरनगर संपर्क मार्ग तक, देहरा नहर से नंगला उदयरामपुर, राष्ट्रीय राजमार्ग 09 से अनवरपुर मार्ग, निधावली नहर के पुल से महाराज गढ़ी शामिल है। इसके अलावा रिलायंस रोड से गालंद, समाना जारचा गांव से गांव कपूरपुर मार्ग, एनएच 09 से निधावली बार्डर तक, बीडीजी रोड से डाहना मार्ग का भी प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा विशेष मरम्मत के लिए ही गूजरगढ़ी संपर्क मार्ग, कालदा रजवाहा पटरी के दांयी ओर से डासना इकला इनायतपुर मार्ग, दूधिया पीपल से भूलगढ़ी मार्ग, रईसपुर से गलधर मार्ग, कलछीना मार्ग से डबारसी मार्ग, कलछीना के मजरे से रोहताश गढ़ी के संपर्क मार्ग तक, कलछीना के मजरे से सुक्कन गढ़ी का संपर्क मार्ग व नाहल मदरसे से ईदगाह मार्ग शामिल है।

डीएम ने जिला निर्वाचन कार्यालय का किया त्रैमासिक निरीक्षण

मतदाता सूची पुनरीक्षण, ईवीएम-वीवीपैट की सुरक्षा और आगामी निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कविता मीना ने मंगलवार को जिला निर्वाचन कार्यालय का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण, ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा, शिकायतों के निस्तारण तथा आगामी निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों, दोहरे ताले की व्यवस्था, अग्निशमन यंत्रों, तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और लॉगबुक का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग की मानक संचालन प्रक्रिया का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रथम स्तरीय जांच की तैयारियां समय से पूरी करने को कहा। जिलाधिकारी ने कार्यालय में निर्वाचन संबंधी पत्रावलियों, मतदाता सूची, निर्वाचन व्यय लेखा और निर्वाचन सामग्री के रखरखाव का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सभी अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने तथा पुराने अभिलेखों की नियमानुसार वीडिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से संबंधित कार्यों और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए तथा आगामी निर्वाचन को देखते हुए सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूरी की जाएं।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सहित निर्वाचन कार्यालय के पटल सहायक और कर्मचारी मौजूद रहे।

लंबित मांगों को लेकर लेखपालों ने अतिरिक्त हल्कों का कार्य छोड़ा

धौलाना (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर धौलाना तहसील क्षेत्र के लेखपालों ने मंगलवार से अतिरिक्त हल्कों का कार्य छोड़ना शुरू कर दिया। लेखपालों ने अतिरिक्त क्षेत्रों का चार्ज संबंधित राजस्व निरीक्षक कार्यालय में जमा कराया और संघ के आंदोलन में शामिल होने की घोषणा की। तहसील अध्यक्ष निर्देश पाल ने बताया कि प्रदेशभर में लंबित मांगों के समाधान को लेकर अतिरिक्त हल्कों के कार्य का बहिष्कार किया जा रहा है। संघ की प्रमुख मांगों में स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे लेखपालों के स्थानांतरण, चयन वर्ष 2025-26 की लंबित पदोन्नति सूची जारी करने तथा चयन वर्ष 2024 की विभागीय परीक्षा का परिणाम और प्रमाणपत्र घोषित करना शामिल है। इसके अलावा लेखपाल विभिन्न भत्तों में बढ़ोतरी और भूलेख कार्यालयों समेत अन्य पटलों पर संबद्ध लेखपालों को उनके मूल कार्यक्षेत्र में वापस भेजने की मांग भी कर रहे हैं। लेखपालों के अतिरिक्त हल्कों का कार्य छोड़ने से राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान टिंकू राम, अनुज कुमार, संजीव चौधरी, रामवीर सिंह, राघवेन्द्र मलिक, गौरव चौधरी, रजनी राठौड़, सुनीता यादव और मोहिनी मौजूद रहीं।

पुलिस कस्टडी मे मौत पर जांच की मांग करना क्या गुनाह है: विजय यादव

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली के बाथरूम में फांसी लगाकर जान देने वाले दलित युवक के परिजनों से मिलने जा रहे सपा विधायक राम सिंह और समाजवादी पात्टी के वरिष्ठ नेता पुर्व एम एल सी प्रत्याशी विजय यादव को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। विधायक के साथ सपा जिला महासचिव अब्दुल कादिर जिलानी और सांसद प्रतिनिधि बीएल पटेल भी थे। पुलिस के रोके जाने पर विधायक ने शासन-प्रशासन पर जमकर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस सरकार में अब संवेदना जताने पर भी रोक लगा दी गई है। विजय यादव ने नाराज होते हुए कहा पुलिस देर रात तक समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के परिवार वालों के साथ जो दुर्व्यवहार किया लोक पर तंत्र का हावी होना संवैधानिक अधिकारों का हनन है। कस्टडी मौत की जांच की मांग करना इस सरकार में गुनाह है? संवेदना व्यक्त करने जाने वालों के लिए बैरीकेटिंग लगा कर चारों तरफ तंत्र लगाना सरकार और पुलिस की नाकामी है।

एसपी दीपक भूकर ने कोतवाल और विवेचक को किया निलम्बित

अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए कर्तव्यों के निर्वहन में प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर थाना प्रभारी पट्टी निरीक्षक आनन्द पाल सिंह एवं उ0नि0 ओंकार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की गई है। प्रकरण की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच हेतु सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित किया गया है तथा जिलाधिकारी प्रतापगढ़ द्वारा मजिस्ट्रियल जांच की संस्तुति भी की गई है। विवेचना में प्राप्त तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार अग्रिम विधिक एवं विभागीय कार्यवाही प्रचलित है। मृतक के परिजनों की जायज मांगों के संबंध में नियमानुसार हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया है।

ऑपरेशन स्माइल के तहत गुमशुदा महिला को पुलिस ने सकुशल बरामद किया

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। ऑपरेशन स्माइल अभियान के अंतर्गत थाना हापुड़ देहात पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा महिला को अथक प्रयासों के बाद सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस टीम ने महिला की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए और सफलता प्राप्त करते हुए उसे सुरक्षित बरामद किया। बरामदगी के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए महिला को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। महिला के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी व्यक्ति के गुम होने की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अत्याचार से प्रभावित हर व्यक्ति को समय पर न्याय, सुरक्षा और सम्मान मिले: मुख्यमंत्री

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए अधिकारियों को सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। सचिवालय में मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की। बैठक में अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की विवेचना, न्यायालयों में लंबित प्रकरणों, पीड़ितों को मिलने वाली राहत राशि, पुनर्वास, सुरक्षा, शिक्षा और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समिति की बैठक महज औपचारिक समीक्षा तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका वास्तविक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अत्याचार से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति को समय पर न्याय, सुरक्षा, सम्मान और उसका अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए मामलों की नियमित समीक्षा के साथ पूरी व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और प्रभावी बनाया जाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 से अब तक अधिनियम के तहत दर्ज उन मामलों की समीक्षा की, जिनमें विवेचना अभी लंबित है। उन्होंने अधिकारियों से लंबित मामलों के कारणों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि ऐसे प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित और गंभीर प्रकृति के मामलों में पुलिस, प्रशासन तथा अभियोजन विभाग आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई करें। किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामलों की नियमित निगरानी करने और जहां भी प्रक्रिया में बाधा आ रही हो, उसे तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विशेष न्यायालयों में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने को कहा। उन्होंने कहा कि पुराने मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए पुलिस और अभियोजन विभाग के बीच बेहतर तालमेल आवश्यक है। मामलों की प्रभावी पैरवी के लिए आवश्यकता के अनुसार विशेष लोक अभियोजकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल प्राथमिकी दर्ज होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पीड़ित को न्याय दिलाने तक पूरी प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी जरूरी है। विवेचना से लेकर न्यायालय में पैरवी और अंतिम निस्तारण तक प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने पीड़ितों को मिलने वाली राहत राशि के भुगतान की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र पीड़ितों को अनुमन्य राहत राशि के भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। जिन मामलों में राहत राशि देने में विलंब हुआ है, उनकी अलग से समीक्षा कर कारणों का पता लगाने और आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों की सहायता केवल आर्थिक मदद तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता के अनुसार उन्हें चिकित्सा, शिक्षा, सुरक्षा, पुनर्वास और अन्य पात्र सरकारी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने गंभीर एवं संवेदनशील मामलों में पीड़ित और उसके परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि किसी घटना के कारण प्रभावित परिवार के बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। पात्र बच्चों को छात्रवृत्ति और अन्य शैक्षिक सहायता योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए।

बैठक में पीड़ित परिवारों की काउंसलिंग, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा तथा सामाजिक और आर्थिक पुनर्वास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी घटना के बाद पीड़ित परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए। संबंधित विभागों को जरूरत के अनुसार परिवार की स्थिति का आकलन कर सहायता उपलब्ध करानी चाहिए।

श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच परिक्रमा मार्ग में घुस रहे ई-रिक्शा, परेशानी

गोवर्धन (वेलकम इंडिया)। गिरिराज जी की परिक्रमा में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती भीड़ के बीच ई-रिक्शा चालकों की मनमानी परेशानी का कारण बनी हुई है। ई-रिक्शा चालक निर्धारित मार्ग का इस्तेमाल करने के बजाय पैदल परिक्रमा मार्ग में प्रवेश कर रहे हैं। इससे परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से ई-रिक्शाओं के संचालन के लिए अलग से विशेष मार्ग निर्धारित किया गया है, ताकि पैदल परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनी रहे। इसके बावजूद कई ई-रिक्शा चालक विशेष मार्ग पर जाने के बजाय सीधे पैदल परिक्रमा मार्ग में पहुंच रहे हैं। भीड़ के बीच ई-रिक्शाओं के आने-जाने से श्रद्धालुओं को रास्ता छोड़कर किनारे होना पड़ता है। खासकर भीड़ अधिक होने के दौरान ई-रिक्शाओं का परिक्रमा मार्ग में प्रवेश दुर्घटना का कारण बन सकता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि जब ई-रिक्शाओं के लिए अलग मार्ग निर्धारित है तो चालकों को उसी मार्ग से संचालित किया जाना चाहिए। पैदल परिक्रमा मार्ग पर ई-रिक्शाओं के प्रवेश से व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का आरोप है कि परिक्रमा मार्ग में ई-रिक्शाओं की आवाजाही पर रोक लगाने के लिए पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। कई स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ई-रिक्शा चालक पैदल मार्ग में प्रवेश कर जाते हैं।

शराबी ठेकेदार ने रिफाइनरी में सेफ्टी सुपरवाइजर के अपहरण का किया प्रयास

मथुरा रिफाइनरी में पहुंच रही हैं शराब की बोतलें, सुरक्षा पर उठे सवाल

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। इंडियन ऑयल मथुरा रिफाइनरी की सुरक्षा पर इन दिनों सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि इंडियन ऑयल की मथुरा रिफाइनरी में जुन्शी कंस्ट्रक्शन के राजीव उर्फ राजू ने शराब के नशे में चूर होकर अपने ही 3 सुपरवाइजरों के साथ मिलकर रिफाइनरी में सेफ्टी का कार्य कर रही एमजेड कंपनी में कार्यरत एक सेफ्टी सुपरवाइजर को गाड़ी में बिठाकर अपहरण का प्रयास किया है। मामला बढ़ता देख सेफ्टी सुपरवाइजर को शराबी ठेकेदार व उसके साथियों ने प्लांट के रास्ते पर ही छोड़ दिया था। घटना की जानकारी जब सीआईएसएफ को हुई तो सीआईएसएफ की विजिलेंस टीम ने मामले को दबाते हुए दोनों पक्षों से सुलहनामा लिखवा लिया। बाद में दोनों ही पक्षों ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवा दी ।रिफाइनरी में कार्यरत लोगों का कहना है कि पहले तो ठेकेदार मजदूरों का वेतन चोरी कर शोषण करते थे, जिसपर रिफाइनरी प्रबन्धन अभी भी मूकदर्शक बना हुआ है और अब तो नवरत्न कंपनी के अंदर भी ठेकेदार शराब के नशे में चूर होकर इस तरह की घटनाएं कर रहे हैं, तो रिफाइनरी मजदूर कैसे सुरक्षित रहेंगे। लोगों में यह भी चर्चा है कि मथुरा रिफाइनरी में शराब की बोतलें पहुंचना अब तो आम बात हो चुकी है। प्लांट में हर जगह पर शराब की बोतलें पड़ी हुई देखने को मिल जाती हैं। रिफाइनरी वर्करों का यह भी कहना है कि रिफाइनरी पुलिस ने जितनी तत्परता ठेकेदार की शिकायत दर्ज करने में की है, उतनी ही तत्परता अगर मजदूरों के वेतन चोरी मामलों की हुई होती तो शायद मथुरा रिफाइनरी के मजदूरों को वेतन चोरी के दौर से नही गुजरना होता। देखने वाली बात यह है कि रिफाइनरी की सुरक्षा को नजर में रखते हुए रिफाइनरी परिसर में सेफ्टी सुपरवाइजर के साथ हुई अपहरण के प्रयास जैसी घटनाओं को लेकर रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल व सीआईएसएफ यूनिट आईओसी मथुरा के कमांडेंट डॉ. नीरज भारती ऐसे शराबी ठेकेदार पर क्या ठोस कदम उठाते हैं, और क्या आगामी समय में रिफाइनरी के सुरक्षा उपकरणों में ब्रीथ एनालाइजर का उपयोग भी हो सकता है। यह देखने वाली बात होगी।

नि:शुल्क नेत्र जॉच एंव परामर्श चिकित्सा शिविर का आयोजन 25 सितम्बर को 10 बजे से 3 बजे तक

मथुरा/वृन्दावन (वेलकम इंडिया)। पं दीनदयाल उपध्याय जी के जन्म दिवस के अवसर पर केशव धाम, वृन्दावन एवं कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, गोवर्धन रोड, मथुरा द्वारा आयोजित नि:शुल्क नेत्र जॉच एंव परामर्श चिकित्सा शिविर का आयोजन पं दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय अध्ययन केन्द्र, केशव धाम, वृन्दावन पर दिनांक 25 सितम्बर 2026 को प्रात: 10 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक आयोजन किया जायेगा। ऑपरेशन हेतु भर्ती दिनॉक 25 सितम्बर को प्रात: 10 बजे से की जायेगी। इस शिविर का उद्देश्य नेत्र सम्बन्धी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को नि:शुल्क जाँच और विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करना है, जिससे वे समय रहते उचित उपचार करा सके। शिविर में आँखों की सम्पूर्ण जाँच, मोतियाबिंद और अन्य नेत्र विकारों की पहचान की जाएगी। इसके साथ ही विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा रोगियों को उचित सलाह भी दी जाएगी। नेत्र विकार, मोतियाबिन्द, आँखों में जलन, धुंधला दिखाई देना या अन्य नेत्र समस्याओं से ग्रस्त लोग इस शिविर में आकर अपनी आँखों की जाँच करा सकते हैं। समय पर नेत्र परीक्षण करवाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कई बार प्रारंभिक अवस्था में समस्याओं का पता नहीं चल पाता, जो बाद में गंभीर रूप ले सकती हैं।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ की टीम द्वारा नेत्र रोगियों के मोतियाबिन्द, परवाल, कालापानी आदि रोगों का उपचार एवं परामर्ष कर मोतियाबिन्द रोगियों के ऑपरेशन नि:शुल्क रूप से सम्पन्न किये जायेंगे। ऑपरेशन के योग्य पाये गये नेत्र रोगियों को पलंग, बिस्तर, दवा एवं भोजन की व्यवस्था पूर्णत: नि:शुल्क रूप से की गई हैं। भर्ती किये गये नेत्र रोगियों के ऑपरेशन कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, गोवर्धन रोड, मथुरा पर सम्पन्न किये जायेगें।

नोट :- विभिन्न टीपीए/बीमा कम्पनियों के कार्ड धारकों के लिए कैशलेस सुविधा उपलब्ध, आयुष्मान, दीनदयाल उपाध्याय और सभी सरकारी कार्डधारकों के लिए हमारे हॉस्पिटल में नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है। नेत्र रोगी ऑपरेशन कराने हेतु आधार कार्ड एवं राशन कार्ड, मोबाइल नंबर अपने साथ अवश्य लायें।

अनियंत्रित होकर तालाब में पलटी कार, दो लोगों की मौत

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के रुधौली गांव के पास मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पैड़ी-हनुमानगंज की ओर से सेमरियावां की ओर जा रही एक आल्टो कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में कार सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों लोग ऑल्टो कर से पैड़ी-हनुमानगंज से होते हुए सेमरियावां की तरफ जा रहे थे। जैसे ही कार दुधारा थाना क्षेत्र के रुधौली गांव के पास पहुंची, अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरा। ग्रामीणों ने कार सवारों को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन इससे पहले ही कार गड्ढे में पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही दुधारा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद कार का शीशा तोड़कर गड्ढे से बाहर निकालकर दोनों घायलों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सेमरियावां पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर फैलते ही रुधौली गांव समेत आसपास के क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, दोनों मृतक पुरानी बस्ती जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

बिक्री केंद्र प्रभारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम किये गये आयोजित

नैनो उर्वरक, जैव उर्वरक, कीटनाशक, मृदा परीक्षण और ड्रोन तकनीक के उपयोग की दी गई जानकारी

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद संतकबीरनगर के सोनी होटल, खलीलाबाद में आईएफएफडीसी बिक्री केंद्र प्रभारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इफको दिल्ली से मुख्य अतिथि के रूप में आए रजनीश कुमार पाण्डेय, उप महाप्रबंधक (इफको बाजार, नई दिल्ली), क्षेत्रीय प्रबंधक इफको-गोरखपुर कौशिक कुमार पाण्डेय, कृषि विज्ञान केंद्र संतकबीरनगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. दुर्गेश कुमार मौर्य, क्षेत्र अधिकारी इफको आशीष कुमार वर्मा, अजीत सिंह, क्षेत्र अधिकारी आईएफएफडीसी गोरखपुर आलोक दीक्षित, पंकज चौधरी सहित 38 बिक्री केंद्र प्रभारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रजनीश कुमार पाण्डेय ने बिक्री केंद्रों के बिक्री लक्ष्य निर्धारित करने की प्रक्रिया, इफको की ओर से बिक्री केंद्रों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन, मृदा परीक्षण के महत्व तथा जैव उर्वरक, जैव अपघटक एवं प्राकृतिक पोटाश के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बिक्री केंद्र प्रभारियों से किसानों को वैज्ञानिक तरीके से संतुलित उर्वरक उपयोग के लिए प्रेरित करने तथा कृषि उत्पादों की सही जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। डॉ. दुर्गेश कुमार मौर्य ने कृषि विज्ञान केंद्र में लगाए गए नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के प्रदर्शन के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने नैनो उर्वरकों की उपयोगिता, पारंपरिक बोरे वाली यूरिया एवं डीएपी की तुलना में इनके संभावित लाभ तथा उचित उपयोग से कृषि लागत कम करने में इनकी भूमिका के बारे में बताया।

क्षेत्रीय प्रबंधक कौशिक कुमार पाण्डेय ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो कॉपर और नैनो जिंक के उपयोग की विधि, उचित समय, लाभ और आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। साथ ही सागरिका दानेदार एवं सागरिका तरल के उपयोग और लाभ के बारे में भी विस्तार से बताया। अजीत सिंह ने इफको-एमसी के कीटनाशक उत्पादों की जानकारी देते हुए खरपतवारनाशी, कीटनाशक और फफूंदनाशी दवाओं के उपयोग, विधि एवं लाभ के बारे में बताया। आशीष कुमार वर्मा ने भी अपने विषय से संबंधित आवश्यक जानकारी दी और बिक्री केंद्र प्रभारियों को किसानों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कृषि उत्पादों के सही उपयोग की जानकारी देने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के दौरान कृषि में ड्रोन तकनीक के उपयोग की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि ड्रोन के माध्यम से फसलों पर छिड़काव करने से समय और श्रम की बचत के साथ कृषि लागत कम करने में सहायता मिल सकती है। इसके अलावा इफको की ओर से उपलब्ध बीमा योजना के बारे में भी बिक्री केंद्र प्रभारियों को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बिक्री केंद्र प्रभारियों को नैनो उर्वरक, जैव उर्वरक, कीटनाशक, सागरिका उत्पाद, मृदा परीक्षण, ड्रोन तकनीक, बीमा योजना तथा बिक्री और प्रोत्साहन से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना रहा, ताकि वे किसानों तक कृषि उत्पादों और आधुनिक तकनीकों की सही जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें। कार्यक्रम का समापन क्षेत्राधिकारी, इफको, संतकबीरनगर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

नफरत से नहीं, मोहब्बत से आगे बढ़ेगा देश: हाजी मोहम्मद सुलेमान चौधरी

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। देश में नफरत का माहौल किसी के हित में नहीं है। देश नफरत से नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और मोहब्बत से आगे बढ़ेगा। समाज में सभी वर्गों के बीच आपसी सौहार्द और एकजुटता बनाए रखना जरूरी है। यह बातें आजाद समाज पार्टी के खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के भावी प्रत्याशी एवं वरिष्ठ समाजसेवी हाजी मोहम्मद सुलेमान चौधरी ने प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों के मान-सम्मान से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। सभी वर्गों के लोगों को साथ लेकर क्षेत्र के विकास के लिए काम करने का प्रयास किया जाएगा। हाजी मोहम्मद सुलेमान चौधरी ने कहा कि यदि पार्टी उन्हें अवसर देती है और क्षेत्र की जनता का सहयोग मिलता है तो खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखने का प्रयास किया जाएगा। अच्छी सड़कों, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों तक आवाज पहुंचाई जाएगी। उनका प्रयास रहेगा कि क्षेत्र के लोगों को मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से मिलें और विकास कार्यों का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे।

राग बागेश्री की सुरधारा से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता, विदुषी वर्मा को मिला 'स्वामी हरिदास कला रत्न' सम्मान

अखिल भारतीय स्वामी हरिदास संगीत सम्मेलन में शास्त्रीय गायन की प्रभावशाली प्रस्तुति पर हुआ सम्मान

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा/वृंदावन। ठाकुर राधा कृष्ण बिहारी मंदिर में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय स्वामी हरिदास संगीत सम्मेलन में काशी की प्रतिभाशाली युवा शास्त्रीय गायिका विदुषी वर्मा को उनके उत्कृष्ट संगीत योगदान के लिए 'स्वामी हरिदास कला रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। सोमवार को ठाकुर राधास्वामी स्नेह बिहारी मंदिर में आयोजित इस प्रतिष्ठित संगीत सम्मेलन में महामंडलेश्वर स्वामी हेमकांत शरण देवाचार्य एवं आचार्य करन कृष्ण गोस्वामी ने उन्हें सम्मानित किया।

सम्मेलन में विदुषी वर्मा ने भारतीय शास्त्रीय संगीत की गरिमा को स्वर देते हुए राग बागेश्री में विलंबित एकताल की बंदिश 'करके श्रृंगार' प्रस्तुत की। इसके बाद उन्होंने छोटा ख्याल 'कलमई मातेश्वरी' तथा तराना की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रस्तुत भजन 'म्हारे घर...' ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उनकी भावपूर्ण और सुरमयी प्रस्तुति को उपस्थित संगीत प्रेमियों एवं रसिक श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम में तबले पर ओम प्रकाश पांडेय तथा हारमोनियम पर आनंद चौबे ने उत्कृष्ट संगति प्रदान कर प्रस्तुति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। सम्मेलन में विदुषी वर्मा के सम्मान को काशी की समृद्ध संगीत परंपरा और भारतीय शास्त्रीय कला के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा गया।

साइबर ठगी के शिकार युवक को 18,417 वापस

संतकबीरनगर। 'क्रैक साइबर अभियान' के तहत मेहदावल थाना साइबर हेल्प डेस्क टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार युवक की 18,417 रुपये की पूरी रकम वापस करा दी। सिक्टौर माफी निवासी विकाश कुमार के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस अधिकारी बनकर फोन किया और एक लिंक भेजा। लिंक पर कार्रवाई के बाद उसके बैंक खाते से 18,417 रुपये दूसरे खाते में स्थानांतरित कर दिए गए।

ठगी की जानकारी होने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही साइबर हेल्प डेस्क टीम ने संबंधित बैंक से संपर्क कर रकम को रुकवाया और आवश्यक बैंकिंग प्रक्रिया पूरी कराई। इसके बाद पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस करा दी गई। पुलिस ने लोगों से अज्ञात फोन, संदेश और लिंक पर भरोसा नहीं करने तथा साइबर ठगी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

गौचर भूमि कब्जामुक्त कराओ, नशे पर लगे रोक: महामंडलेश्वर

दाऊजी महाराज के दर्शन के बाद बोले स्वामी गोपाल नंद भारती, मुख्यमंत्री को भेजेंगे ब्रज की समस्याओं का ब्यौरा

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। पंचायती अखाड़ा निरंजनी के महामंडलेश्वर स्वामी गोपाल नंद भारती ने मंगलवार को बलदेव पहुंचकर श्री दाऊजी महाराज के दर्शन किए। इसके बाद प्रेसवार्ता में उन्होंने ब्रज की समस्याओं को लेकर प्रशासन और जिम्मेदारों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गौचारण भूमि और सरकारी नालों पर अवैध कब्जों के कारण गोवंश परेशान है। सरकारी भूमि को चिन्हित कर तत्काल कब्जामुक्त कराया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से इस दिशा में प्रभावी कार्रवाई की मांग की। महामंडलेश्वर ने बलदेव क्षेत्र में शराब और नशे के बढ़ते कारोबार पर भी चिंता जताई। कहा कि नशा समाज के लिए खतरा बन रहा है और सरकार को इस पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रज की इन समस्याओं को लेकर जल्द ही जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया जाएगा। साथ ही सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने और नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग रखी जाएगी।

डरें नहीं, परेशानी में तुरंत पुलिस की मदद लें

हजारा पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को किया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत हजारा थाना पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस टीम ने बालिकाओं, महिलाओं और आमजन को महिला सुरक्षा से जुड़े अधिकारों तथा पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सहायता के बारे में जानकारी दी।अभियान के दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को किसी भी तरह की परेशानी, उत्पीड़न, छेड़छाड़ अथवा आपात स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया। टीम ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है और जरूरत पड़ने पर शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाती है।पुलिसकर्मियों ने जागरूकता कार्यक्रम में 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं एवं बालिकाओं को बताया गया कि साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी या किसी अन्य डिजिटल धोखाधड़ी की स्थिति में समय रहते 1930 पर शिकायत करना महत्वपूर्ण है।टीम ने बालिकाओं को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने, अनजान लोगों से व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी परिजनों अथवा पुलिस को देने के लिए जागरूक किया। महिलाओं से भी अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी प्रकार की परेशानी होने पर चुप न रहने की अपील की गई।मिशन शक्ति टीम ने आमजन को महिला एवं बालिका सुरक्षा से जुड़े सरकारी प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि सुरक्षित वातावरण बनाने में पुलिस के साथ-साथ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने तथा किसी भी तरह की हिंसा या उत्पीड़न की जानकारी मिलने पर जिम्मेदारी के साथ पुलिस को सूचना देने का आह्वान किया गया। हजारा पुलिस की ओर से चलाए गए इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा व्यवस्था, सहायता सेवाओं और हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना रहा।

शादी के 24 घंटे बाद बंद कमरे में मिला नवविवाहित जोड़े का शव

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर। जनपद के बांसी कोतवाली क्षेत्र के जनियाजोत गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ शादी के महज 24 घंटे के भीतर ही नवविवाहित पति-पत्नी का शव घर के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। मृतकों की पहचान जनियाजोत निवासी देशराज चौहान (25) और उनकी पत्नी अनीता चौहान (22) के रूप में हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, देशराज और अनीता का विवाह बीते 21 सितंबर को बांसी के प्रसिद्ध टेकधर बाबा मंदिर में हुआ था। दोनों परिवारों की रजामंदी से पूरे रीति-रिवाज के साथ शादी संपन्न होने के बाद जोड़ा हंसी-खुशी अपने घर लौटा था। मंगलवार सुबह जब काफी देर तक कमरे में कोई हलचल नहीं हुई, तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। भीतर से कोई जवाब न मिलने पर जब किसी तरह अंदर देखा गया, तो दोनों के शव पड़े मिले। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। मृतका अनीता का मायका जोगिया कोतवाली क्षेत्र के कड़जहवा गांव में है। इस हादसे के बाद से दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

सूचना मिलते ही बांसी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फील्ड यूनिट की मदद से साक्ष्य जुटाए और दोनों शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बांसी के कोतवाल महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पूरी तरह संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू और एंगल को ध्यान में रखकर मामले की बारीकी से जांच कर रही है। वहीं, गांव में इस रहस्यमयी मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल, जिला अस्पताल रेफर

कांधला (वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर द गोल्ड पब्लिक स्कूल के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी शहजादा मंगलवार को बाइक से अपनी ससुराल गांव खंद्रावली जा रहा था। द गोल्ड पब्लिक स्कूल के पास पहुंचते ही पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शहजादा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घटना की जानकारी लेकर अज्ञात वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में घायल को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया है।उपनिरीक्षक ओंकार नाथ पांडेय ने बताया कि वाहन की तलाश की जा रही है। जल्दी चालक सहित पकड़कर कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक के तबादले के विरोध में बीआरसी पहुंचे छात्र और अभिभावक

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय नकथर में शिक्षक के तबादले पर मंगलवार को छात्रों ने अपने अभिभावक संग बीआरसी कार्यालय शोहरतगढ़ पहुंचकर विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि विकास खण्ड शोहरतगढ़ के प्राथमिक विद्यालय नकथर में तैनात सहायक अध्यापक पप्पू कुमार यादव का स्थानान्तरण विकास खण्ड डुमरियागंज के प्राथमिक विद्यालय जमौतिया में किया गया है। ग्राम नकथर से शिक्षक के तबादले की खबर के बाद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं अपने अभिभावक के साथ शोहरतगढ़ बीआरसी कार्यालय पहुंचकर विरोध करते हुए प्रदर्शन किया और शिक्षक का स्थानान्तरण रोकने की मांग किया। वहीं बच्चों का कहना है कि पप्पू सर वर्ष 2019 से उन्हें पढ़ा रहे हैं और पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की हर समस्या को लेकर हमेशा सक्रिय रहते हैं। छात्रों ने बताया कि शिक्षक उन्हें बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन देने के साथ उनके भविष्य को लेकर भी गम्भीर रहते हैं। जबकि अभिभावकों का कहना है कि शिक्षक के तबादले से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। बच्चों ने साफ कहा कि अगर पप्पू सर का तबादला नहीं रोका गया तो वे स्कूल जाने से इन्कार करेंगे। मामले को लेकर अब सवाल उठ रहा है कि आखिर शिक्षक का तबादला किस कारण किया गया? क्या तबादले से पहले कोई कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था? तबादले की प्रक्रिया किस आधार पर अपनाई गई? इन सवालों पर शिक्षा विभाग का आधिकारिक जवाब सामने आना बाकी है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉकों में तैनात सहायक अध्यापकों और प्रधानाध्यापकों के स्थानान्तरण/समायोजन के सम्बन्ध में शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि वहाँ रिक्त पदों को भरा जाना प्राथमिकता है और जब तक विकल्प या स्थानापन्न न आ जाए, तब तक शिक्षकों को कार्यमुक्त न किये जाने के प्रावधान रहते हैं। वहीं कार्यमुक्ति नियमों के तहत जब तक सम्बन्धित पद पर नया स्थानापन्न शिक्षक नहीं आ जाता, तब तक आकांक्षी क्षेत्रों से शिक्षकों को कार्यमुक्त नहीं किया जाता है। वहीं विद्यालय की स्थिति को लेकर भी सवाल उठे हैं। मौके पर कुछ कक्षाओं में बच्चों की अनुपस्थिति और खाली कुर्सियां दिखाई देने की बात सामने आई है। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग बच्चों और अभिभावकों की मांग पर क्या निर्णय लेता है?

एक सुर, एक स्वर में गूंजेगा 'वंदे मातरम', पूरनपुर में होगा भव्य सामूहिक गायन

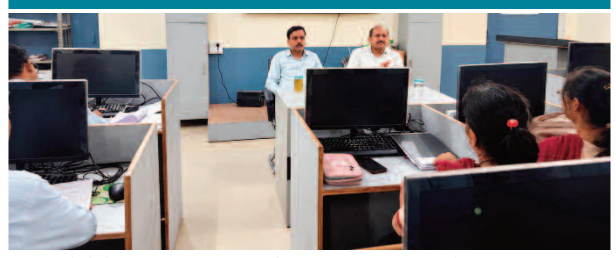

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली की ओर से 'नमामि भारतम' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत आगामी 25 सितंबर को देशभर में एक करोड़ से अधिक लोगों द्वारा एक ही समय पर सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरमस का गायन किया जाएगा। इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरनपुर में भी व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम के तहत पूरनपुर क्षेत्र में आरएसआरडी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, निकट जसवंती राइस मिल सहित कई स्थानों पर सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजकों के अनुसार इसका उद्देश्य लोगों में राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। मुख्य कार्यक्रम 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को आरएसआरडी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में होगा। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 10 :30 बजे से होगी, जबकि सामूहिक रूप से ह्यवंदे मातरम्ह्ल का गायन ठीक सुबह 11 बजे किया जाएगा। आयोजन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक, अभिभावक और क्षेत्र के नागरिक भी भाग लेंगे। इसके अलावा लक्ष्य डिग्री कॉलेज पूरनपुर, माय बिस इंटरनेशनल स्कूल घुंघचिहाई और साई बैंक्वेट हॉल पूरनपुर में भी सामूहिक गायन का आयोजन प्रस्तावित है। विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग संयोजकों की जिम्मेदारी तय की गई है।

घुंघचिहाई चौराहे पर गूंजे समाजवादी नारे, प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

सपा नेता राजकुमार 'राजू' के नेतृत्व में उमड़े कार्यकर्ता, फूल-मालाओं से किया अभिनंदन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के पूरनपुर आगमन पर मंगलवार को घुंघचिहाई चौराहा समाजवादी कार्यकताओं के उत्साह से सराबोर नजर आया। सपा नेता राजकुमार 'राजू' के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने प्रदेश अध्यक्ष का फूल - मालाओं से जोरदार स्वागत कर अभिनंदन किया। प्रदेश अध्यक्ष के काफिले के पहुंचते ही कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया।कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के साथ समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं विधायक अताउर रहमान भी मौजूद रहे। कार्यकताओं ने दोनों नेताओं का स्वागत करते हुए संगठन की मजबूती को लेकर उत्साह जताया। स्वागत स्थल पर बड़ी संख्या में कार्यकताओं और समर्थकों की मौजूदगी रही।सपा नेता राजकुमार 'राजू' ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष का पूरनपुर आगमन कार्यकताओं के लिए उत्साह बढ़ाने वाला अवसर है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में कार्यकताओं की भूमिका अहम है। गांवों से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय होकर संगठन को मजबूत करने के लिए काम करना होगा।उन्होंने कार्यकताओं से आपसी एकजुटता बनाए रखते हुए पार्टी की नीतियों और समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। इस दौरान समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नोमान अली वारसी, भगवान दीन वर्मा, अनिल शर्मा, नौशाद गाजी, ठाकुर, रजनीश पांडेय, खुर्शीद अहमद, इमरान वली खां, अरशद रफीकी, बसंत भारती, ओम शर्मा और नरेश सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

जिलाधिकारी के आदेश के बाद भी जांच लंबित, कार्रवाई का इंतजार

रसूलपुर ग्राम पंचायत में सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप, 15 दिन में आख्या देने के दिए थे निर्देश

इटवा/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। विकास खंड इटवा की ग्राम पंचायत रसूलपुर से जुड़ी शिकायत में जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद जांच पूरी नहीं होने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता रामवृक्ष गुप्ता पुत्र कप्तान ने 10 अगस्त 2026 को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर ग्राम प्रधान के स्थान पर महेश मिश्रा नामक व्यक्ति द्वारा मोबाइल नंबर पंजीकृत कराए जाने और कथित रूप से फर्जी तरीके से बैठकों के आयोजन, प्रधान के हस्ताक्षर तथा ओटीपी के इस्तेमाल के आरोप लगाए थे। शिकायतकर्ता के अनुसार, शपथपत्र के साथ दी गई शिकायत में इंटरलॉकिंग, मिट्टी कार्य, सीसी रोड समेत अन्य विकास कार्यों में सरकारी धन के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया गया है। आरोप है कि संबंधित मोबाइल नंबर के माध्यम से कभी प्रधान तो कभी प्रधान प्रतिनिधि बनकर ओटीपी प्राप्त किया गया और ग्राम पंचायत के विकास कार्यों के लिए सचिव को मिली धनराशि के इस्तेमाल में अनियमितता की गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कार्यालय ज्ञाप जारी कर उपायुक्त श्रम रोजगार, सिद्धार्थनगर को जांच अधिकारी नामित किया था। उन्हें नियमानुसार जांच कर 15 दिनों के भीतर सुस्पष्ट आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। जांच के दौरान ग्राम सभा की बैठक की कार्यवाही, मनरेगा के स्थलीय सत्यापन की रिपोर्ट, मस्टररोल और फोटोग्राफ समेत संबंधित अभिलेख संलग्न किए जाने के निर्देश भी दिए गए थे। हालांकि, शिकायतकर्ता का कहना है कि निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी जांच पूरी नहीं हुई और न ही मामले में कोई कार्रवाई हुई है। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी के आदेश का अनुपालन कराते हुए सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कराने और जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

जलभराव और कीचड़ से लोग बेहाल, कीचड़ से स्कूल जाने को मजबूर बच्चे

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर पालिका क्षेत्र के मोहल्ला रायजादगान में जलभराव और कीचड़ की समस्या से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद सड़क पर पानी भर गया है, जिससे राहगीरों के साथ स्कूली बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। मंगलवार को पानी और कीचड़ के बीच से गुजरते बच्चों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी वसीम राजपूत ने वीडियो वायरल कर नगर पालिका प्रशासन पर समस्या की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जलभराव के कारण गंदगी और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। इससे मोहल्ले में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बना हुआ है। उन्होंने एक युवक की बीमारी से मौत होने की बात भी कही।वसीम राजपूत, अरशद, आसमा, जुबैदा, रईस, आशु, मोबीन और सुनील समेत अन्य लोगों ने जल्द जलभराव की समस्या का समाधान कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का निस्तारण नहीं हुआ तो भाकियू कार्यकर्ता पालिका परिसर में धरना देने को मजबूर होंगे। इस दौरान मोहल्ले के कई महिला-पुरुषों ने प्रदर्शन कर समस्या के समाधान की मांग की है।पालिका के स्वास्थ्य लिपिक अमरेश कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। जल्द टीम भेजकर जलभराव की समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का पूरनपुर में जोरदार स्वागत

धनपति वर्मा समेत कार्यकताओं ने किया अभिनंदन, जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार भी रहे मौजूद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल मंगलवार को पूरनपुर पहुंचे। उनके आगमन पर सपा नेताओं और कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। वरिष्ठ सपा नेता धनपति वर्मा समेत कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं में उत्साह नजर आया। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के दौरान सपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार भी मौजूद रहे। स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं ने प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा की। कार्यकताओं ने पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियों पर भी जोर दिया।श्यामलाल पाल ने कार्यकताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकताओं से क्षेत्रीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने की बात कही। प्रदेश अध्यक्ष का पूरनपुर दौरा समाजवादी पार्टी के संगठनात्मक कार्यक्रमों के तहत बताया जा रहा है। पूरनपुर के बाद वह पीलीभीत पहुंचेंगे, जहां पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक प्रस्तावित है। बैठक में संगठन की स्थिति, आगामी कार्यक्रमों और कार्यकताओं की सक्रियता को लेकर चर्चा की जाएगी।प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर स्थानीय सपा कार्यकताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। स्वागत के दौरान पार्टी कार्यकताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। नेताओं ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कार्यकताओं की भूमिका अहम है और सभी को जिम्मेदारी के साथ पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहना होगा।इस दौरान धनपति वर्मा, जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार समेत बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

गन्ना सट्टा प्रदर्शन मेले में 719 शिकायतें, 416 का मौके पर निस्तारण

किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान पर रहा जोर, सहकारी गन्ना विकास समिति में हुआ मेले का समापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। सहकारी गन्ना विकास समिति पूरनपुर में किसानों की समस्याओं के समाधान और गन्ना सट्टा संबंधी विवरणों के सत्यापन के लिए आयोजित गन्ना सट्टा प्रदर्शन मेले का समापन हो गया। करीब आठ से नौ दिनों तक चले मेले में बड़ी संख्या में किसानों ने पहुंचकर सट्टा संबंधी जानकारी का सत्यापन कराया और अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। मेले में कुल 719 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 416 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री एवं जिला पंचायत प्रतिनिधि गुरभाग सिंह ने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित मेले को उपयोगी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से किसानों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलती है। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण में जुटे समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए पूरे स्टाफ को शुभकामनाएं दीं।समिति के सचिव मनीष सिंह ने मेले की प्रगति और अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों को सट्टा संबंधी विवरण उपलब्ध कराने के साथ शिकायतों को दर्ज कर उनके समाधान का प्रयास किया गया। मौके पर निस्तारण योग्य शिकायतों का तत्काल समाधान कराया गया, जबकि अन्य शिकायतों को संबंधित स्तर पर भेजा गया है।

समिति के चेयरमैन नितिन दीक्षित ने मेले के सफल आयोजन के लिए समिति के स्टाफ और सुपरवाइजरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना और जल्द निस्तारित किया जाना चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए, ताकि किसानों को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।उन्होंने सचिव मनीष सिंह के निर्देशन में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी किसान शिकायतों के त्वरित समाधान पर जोर दिया। इसके बाद चेयरमैन ने मेले के समापन की घोषणा की। कार्यक्रम में समिति के डायरेक्टर, प्रगतिशील किसान, सुपरवाइजर और समिति का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल की बैठक में यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत टैक्स का विरोध

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। वाराणसी फर्नीचर एवं फर्निशिंग व्यापार मंडल के कार्यकारिणी सदस्यों एवं संरक्षक मंडल की महत्वपूर्ण बैठक रथयात्रा स्थित एक होटल में आयोजित की गई। बैठक में व्यापार जगत से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ सरकार द्वारा यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत कर अथवा लेवी लगाए जाने के विषय को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में मौजूद व्यापारियों ने एकमत होकर इस प्रस्ताव का विरोध किया और सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए कर की दर कम करने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि वर्तमान समय में यूपीआई डिजिटल भुगतान का एक प्रमुख और सुविधाजनक माध्यम बन चुका है। छोटे-बड़े व्यापारी रोजाना बड़ी संख्या में लेन-देन के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में यूपीआई लेन-देन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने से विशेष रूप से छोटे और मध्यम वर्ग के व्यापारियों की लागत बढ़ सकती है। व्यापार मंडल ने सरकार से मांग की कि व्यापारियों की व्यावहारिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर दोबारा विचार किया जाए। संगठन के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत कर या लेवी लगाया जाना व्यापारियों के लिए अतिरिक्त आर्थिक भार बन सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार से अनुरोध है कि इस निर्णय पर पुनर्विचार कर दर को कम किया जाए, जिससे व्यापारियों को राहत मिले और व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहें। महामंत्री रमेश यादव ने कहा कि इस प्रकार की लेवी का सबसे अधिक असर छोटे व्यापारियों पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापारी पहले से ही विभिन्न प्रकार के खर्च और आर्थिक चुनौतियों के बीच कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगाने के बजाय व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। संरक्षक राजेश अग्रवाल ने कहा कि बैठक में सभी सदस्यों ने एकमत से यूपीआई पर प्रस्तावित कर का विरोध किया है। सरकार को व्यापार जगत की भावनाओं और समस्याओं को समझते हुए इस निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए। संरक्षक डॉ. यादवेंद्र सिंह बब्बन ने कहा कि यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और तेज बनाया है। बड़ी संख्या में व्यापारी और ग्राहक इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में अतिरिक्त शुल्क का प्रभाव व्यापारिक लेन-देन पर पड़ सकता है, इसलिए दर कम करने की मांग उचित है। बैठक में व्यापारियों ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए ऐसी व्यवस्था जरूरी है, जिससे छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव न पड़े।

मथुरा अधिवेशन में जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का उठेगा संकल्पः भिखारी प्रजापति

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। विश्व हिंदू महासंघ संगठन की वर्चुअल बैठक में मथुरा में होने वाले प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियों और जन्मभूमि से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने कहा कि गोरक्ष पीठ के आशीर्वाद से जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मथुरा अधिवेशन में संत समाज एक स्वर से जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाएगा। धमार्चार्य प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य डॉ. हरिओम पाठक ने कहा कि जन्मभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना संगठन का संकल्प है और इस संकल्प का कोई विकल्प नहीं है। बैठक का संचालन करते हुए दिग्विजय सिंह राना एवं गंगा शर्मा कौशिक ने कहा कि जन्मभूमि पर किसी अन्य वर्ग का आधिपत्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बैठक में जयशंकर केसरी, रुद्र कुमार पाठक, धीरेंद्र प्रताप सिंह, दीपक शुक्ल एवं प्रवीण सिंह चंदेल ने वर्ष 1968 में जन्मभूमि की 13.37 एकड़ भूमि से जुड़े कथित विवाद का उल्लेख करते हुए इसे हिंदू आस्था से जुड़ा विषय बताया। वहीं संगठन की महिला पदाधिकारियों सहित अन्य कार्यकताओं ने कहा कि मथुरा में होने वाले प्रांतीय अधिवेशन में देशभर के साधु-संत जन्मभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग को प्रमुखता से उठाएंगे।

शरद परमार, दीपक त्रिपाठी, श्याम बाबू शर्मा, श्रीवंत तिवारी, राजेंद्र शर्मा, डॉ. गिरीश चंद द्विवेदी, डॉ. कमलेश शाही, संजय शुक्ला, मनोज प्रजापति, इंद्रदीप जैन, छेदी यादव, चंद्रभूषण शुक्ला और नरेंद्र चौधरी सहित अन्य कार्यकताओं ने भी बैठक में अपने विचार रखे। पदाधिकारियों ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 को लेकर भी अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं। बैठक में मथुरा अधिवेशन की तैयारियों और जन्मभूमि से जुड़े विषयों को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा की गई।

अमरपुर में आम की बागवानी को लेकर बढ़ा उत्साह, चौराहे से बिके आठ हजार पौधे

दो माह पहले वन विभाग के जागरूकता कार्यक्रम के बाद बढ़ी पौधरोपण की रुचि, नए बाग लगाने की तैयारी में किसान

वेलकम इंडिया/राजेन्द्र सिंह

स्याना। अमरपुर की फल पट्टी में आम की बागवानी को लेकर किसानों का रुझान एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। अमरपुर चौराहे से करीब आठ हजार आम के पौधों की बिक्री हो चुकी है। बड़ी संख्या में पौधों की खरीदारी से क्षेत्र में नए बाग विकसित करने और पुराने बागों का विस्तार करने को लेकर किसानों की बढ़ती दिलचस्पी सामने आई है। अमरपुर क्षेत्र लंबे समय से आम की बागवानी के लिए जाना जाता है। क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान आम के बागों से जुड़े हैं। इन दिनों अमरपुर चौराहे पर आम की विभिन्न प्रजातियों के पौधे खरीदने के लिए किसानों और बागवानों की आवाजाही बढ़ गई है। कई किसान नए बाग लगाने की तैयारी कर रहे हैं, जबकि कुछ पुराने बागों में भी पौधों की संख्या बढ़ा रहे हैं।

बताया जाता है कि करीब दो माह पहले वन विभाग की ओर से अमरपुर चौराहे पर जादूगर के माध्यम से लोगों को पौधरोपण के प्रति जागरूक किया गया था। कार्यक्रम में पेड़-पौधों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया था। इसके बाद क्षेत्र में पौधरोपण और बागवानी को लेकर लोगों की रुचि बढ़ने की बात सामने आ रही है।

पर्यावरण के साथ आमदनी का भी जरिया

स्थानीय ग्रामीण इरशाद खां और दीपक शर्मा ने बताया कि आम के पौधे लगाने से पर्यावरण संरक्षण के साथ भविष्य में फल उत्पादन का लाभ भी मिलता है। पेड़-पौधे वातावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। अमरपुर क्षेत्र में आम की बागवानी लंबे समय से किसानों की आय का महत्वपूर्ण साधन रही है। चौराहे से करीब आठ हजार पौधों की बिक्री के बाद अब क्षेत्र में नए बाग विकसित होने की उम्मीद है। किसानों को उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में इन पौधों से बेहतर फल उत्पादन के साथ उनकी आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी।

डीपीआईएएफ कोलकाता 2026 में संजय भूषण पटियाला सम्मानित

तीरथ सिंह रावत और अशोक किर्तनिया ने प्रदान किया दादा साहब फाल्के आइकन अवार्ड

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

कोलकाता/वाराणसी। कोलकाता के नेशनल लाइब्रेरी ऑडिटोरियम, अलीपुर में आयोजित भव्य समारोह में बॉलीवुड और भोजपुरी सिनेमा के फिल्म प्रचारक एवं निमार्ता संजय भूषण पटियाला को प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के आइकन अवार्ड फिल्म्स कोलकाता 2026 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत और पश्चिम बंगाल सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री अशोक किर्तनिया ने प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन दादा साहब फाल्के आइकन अवार्ड फिल्म्स संगठन के संस्थापक अध्यक्ष कल्याणजी जाना की ओर से 'सिनेमा, संस्कृति और पर्यटन का उत्सव' विषय के साथ किया गया। इस दौरान सिनेमा और संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े कई लोगों की मौजूदगी रही। सम्मान समारोह में तीरथ सिंह रावत ने संजय भूषण पटियाला के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भोजपुरी और बॉलीवुड सिनेमा के प्रचार-प्रसार के लिए उनके द्वारा किया जा रहा प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से भारतीय सिनेमा और संस्कृति को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। पश्चिम बंगाल के मंत्री अशोक किर्तनिया ने कहा कि कोलकाता की धरती पर मेहनती फिल्म प्रचारक और निमार्ता को सम्मानित करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल लंबे समय से कला और सिनेमा का प्रमुख केंद्र रहा है और भोजपुरी तथा बंगाली सिनेमा के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव को और मजबूत किया जा सकता है। सम्मान प्राप्त करने के बाद संजय भूषण पटियाला ने आयोजकों, तीरथ सिंह रावत और अशोक किर्तनिया का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि भोजपुरी और बॉलीवुड फिल्म जगत से जुड़े सभी लोगों का सम्मान है। उन्होंने कहा कि वह आगे भी अच्छी और संस्कारपूर्ण फिल्मों के प्रचार-प्रसार और निर्माण से जुड़े कार्य करते रहेंगे। गौरतलब है कि संजय भूषण पटियाला अब तक करीब 1200 फिल्मों के प्रचार-प्रसार से जुड़े रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कई फिल्मों और वीडियो एलबम के निर्माण एवं निर्देशन में भी कार्य किया है। मूल रूप से प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के निवासी संजय भूषण पटियाला सामाजिक कार्यों से भी जुड़े हैं और भूषण फैमिली फाउंडेशन के संस्थापक हैं। संजय भूषण पटियाला भोजपुरी सिनेमा के मनोज तिवारी, रवि किशन, पवन सिंह, खेसारी लाल यादव, पाखी हेगड़े और रानी चटर्जी सहित कई चर्चित कलाकारों की फिल्मों के प्रचार-प्रसार से जुड़े रहे हैं।

व्यंजन बनाओ प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर, आत्मनिर्भर बनने का दिया गया संदेश

शिकारपुर (वेलकम इंडिया)। विकासखंड शिकारपुर के शहीद मेजर ललित प्रकाश उच्च प्राथमिक विद्यालय चितसौन में मंगलवार को व्यंजन बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6, 7 और 8 के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न समूहों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बच्चों ने भेलपुरी, ब्रेड पकौड़े, आलू की पकौड़ी और चाय सहित विभिन्न व्यंजन तैयार किए। छात्र-छात्राओं ने मुरमुरे से स्वादिष्ट भेलपुरी, ब्रेड से ब्रेड पकौड़े तथा दूध से चाय तैयार कर स्टॉल लगाए और विद्यालय के स्टाफ व अन्य बच्चों को व्यंजन खिलाए। बच्चों द्वारा तैयार किए गए व्यंजनों को सभी ने पसंद किया। प्रतियोगिता श्रीमती रजनी रानी और सत्य प्रकाश की देखरेख में संपन्न हुई। इस अवसर पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक वेद प्रकाश गौतम ने बच्चों को आत्मनिर्भरता का संदेश देते हुए कहा कि चाट-पकौड़ी, भेलपुरी और चाय आदि की दुकान शुरू कर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों में हुनर के साथ आत्मनिर्भर बनने की भावना भी विकसित होती है। कार्यक्रम में वेद प्रकाश गौतम, रजनी रानी, संतोष कुमार, सत्य प्रकाश, मीनाक्षी गोयल, महादेवी, लक्ष्मी, सादिया सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मलका पार्क में ध्यान एवं योग सत्र, 48 लोगों ने लिया भाग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। सेवा संकल्प अभियान के छठवें दिन मंगलवार को सेवा-मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत मलका पार्क में ध्यान एवं योग सत्र आयोजित किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अलख प्रकाश के निर्देशन में योगाचार्य संजय कुमार ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और ध्यान क्रियाओं का अभ्यास कराया। सत्र में 48 लाभार्थियों ने सहभागिता की। योग सहायक अशोक कुमार शर्मा का आयोजन में विशेष योगदान रहा। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के अधीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर रौंडा, अरनिया, सुरजावली, अटेरना, फिरोजपुर, सरायघासी तथा योग वेलनेस सेंटर इमलिया में भी सेवा संकल्प अभियान के तहत ध्यान एवं योग सत्र आयोजित किए गए। वहीं, 11वें आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्सकों ने विभिन्न स्थानों पर चिकित्सा शिविर लगाकर लोगों को ऋतुचर्या, दिनचर्या और अधारणीय वेग सहित स्वस्थ जीवनशैली से जुड़े विषयों के प्रति जागरूक किया।

11वें आयुर्वेद दिवस पर रामघाट में लगा चिकित्सा शिविर, 35 मरीजों को मिली निःशुल्क औषधि

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर मंगलवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय रामघाट की ओर से ग्राम रामघाट में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में कुल 35 रोगियों का परीक्षण किया गया, जिसमें 19 पुरुष और 16 महिलाएं शामिल रहीं। चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद आवश्यकतानुसार रोगियों को निःशुल्क औषधियां प्रदान की गईं। शिविर में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ उठाया।

बेटे आतिर के लिए चुनावी मैदान में उतरे आरिफ मंजूर

शाहजहांपुर में घर-घर दस्तक, जनसंपर्क से किठौर की सियासत में बढ़ी हलचल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। किठौर विधानसभा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां धीरे-धीरे तेज होने लगी हैं। पूर्व मंत्री एवं सपा विधायक शाहिद मंजूर के भाई आरिफ मंजूर अब अपने बेटे आतिर अरिफ मंजूर के राजनीतिक भविष्य को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। आरिफ मंजूर लगातार क्षेत्र में पहुंचकर लोगों से मुलाकात कर रहे हैं और जनसंपर्क के जरिए अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

सोमवार को आरिफ मंजूर ने कस्बा शाहजहांपुर में घर-घर पहुंचकर जनसंपर्क किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर क्षेत्र के हालात, समस्याओं और राजनीतिक माहौल पर बातचीत की। इस दौरान समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच उनकी सक्रियता चर्चा का विषय बनी रही। शाहजहांपुर से शुरू हुई इस सियासी दस्तक को किठौर विधानसभा में आतिर मंजूर की संभावित राजनीतिक एंट्री की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि चुनाव को लेकर अभी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन आरिफ मंजूर की लगातार क्षेत्रीय सक्रियता ने राजनीतिक चचाओं को जरूर हवा दे दी है। किठौर की सियासत में शाहिद मंजूर का अपना लंबा राजनीतिक प्रभाव रहा है। ऐसे में उनके भाई का बेटे के लिए क्षेत्र में सक्रिय होकर जनसंपर्क करना आने वाले दिनों में सियासी समीकरणों में क्या रंग लाता है, यह देखने वाली बात होगी।

पहासू में नाबालिग के यौन शोषण का मामला, महिला पर आरोप

पहासू। थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग के कथित यौन शोषण का मामला सामने आया है। आरोप है कि रिश्ते में भतीजे लगने वाले नाबालिग का महिला ने यौन शोषण किया। पुलिस ने मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। बताया गया कि करीब दो माह पहले इसी महिला ने नाबालिग के खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। महिला ने नाबालिग पर अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया था। विवेचना के दौरान मामले में नया मोड़ आया और महिला पर ही नाबालिग के कथित यौन शोषण का आरोप सामने आया। पुलिस के अनुसार महिला की ओर से दर्ज कराई गई एफआईआर में अंतिम रिपोर्ट लगाई गई है, जबकि नाबालिग के पिता की तहरीर पर महिला के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत नई एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

वृद्ध मुस्लिम महिला के निधन पर बदला गणेश विसर्जन यात्रा का रूट

मुस्लिम समाज ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत, शाहजहांपुर में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब

वेलकम इंडिया संवाददाता

किठौर। कस्बा शाहजहांपुर में मंगलवार को गणेश विसर्जन यात्रा के दौरान आपसी भाईचारे और इंसानियत की मिसाल देखने को मिली। वृद्ध मुस्लिम महिला के निधन की जानकारी पर मंदिर कमेटी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए यात्रा का मार्ग बदल दिया।

शिव मंदिर बड़ा बाजार से शुरू हुई यात्रा का मुस्लिम समाज ने मुमताज आलम एडवोकेट और समाजसेवी फसाहत खां के नेतृत्व में पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मुमताज आलम ने कहा कि सभी धर्मों की भावनाओं का सम्मान और सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है। यात्रा अंबेडकर नगर, गढ़ रोड, बड़ा बाजार, होली चौक और आजाद नगर होते हुए कंठा माता मंदिर के पास पहुंची, जहां समापन हुआ।

सहकारी गन्ना विकास समिति मोदीनगर की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक सम्पन्न

बकाया गन्ना भुगतान और ब्याज की मांग को लेकर किसानों ने उठाई आवाज

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड, मोदीनगर की वार्षिक सामान्य निकाय बैठक में गन्ना किसानों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा किसानों के बकाया गन्ना भुगतान तथा रुके हुए ब्याज का भुगतान रहा। किसानों ने मांग की कि बकाया राशि का जल्द से जल्द भुगतान कराया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों से राहत मिल सके। बैठक में किसानों ने गन्ने से जुड़े भुगतान, ब्याज सहित अन्य समस्याओं को समिति के पदाधिकारियों के समक्ष रखा। किसानों का कहना था कि समय पर भुगतान नहीं होने से खेती की लागत, घरेलू खर्च और आगामी फसल की तैयारियों पर असर पड़ता है। समिति के चेयरमैन राजन चौधरी ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक प्रयास किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बकाया गन्ना भुगतान जल्द कराने की बात कही तथा किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को संबंधित स्तर पर प्रमुखता से रखा जाएगा। इस अवसर पर सहकारी गन्ना विकास समिति की ओर से किसानों को गन्ना विभाग एवं समिति द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। किसानों से योजनाओं का लाभ लेने तथा समिति के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में गन्ना किसान एवं समिति से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को सुनने के साथ-साथ उनके समाधान के लिए प्रभावी संवाद स्थापित करना रहा। इस अवसर पर गन्ना समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी समस्त डायरेक्टर लोकेंद्र चौधरी अमित शर्मा अमित चौधरी मूलचंद उदयवीर चौधरी मनोज चौधरी सुल्तानपुर पुनिस चौधरी शेखर चौधरी विक्रांत चौधरी सतबीर प्रधान जी शुगर मिल सिंभावली की तरफ से योगेश चौधरी मोदी शुगर मिल की तरफ से राहुल त्यागी बृजनाथपुर शुगर मिल की तरफ से चंद्रवीर और बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति रही।

वैश्य समाज कल्याण समिति द्वारा 13 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जयंती मनाई जाएगी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। वैश्य समाज कल्याण समिति की कार्यकारिणी की एक बैठक में महाराजा अग्रसेन जयंती आगामी माह 13 अक्टूबर दिन मंगलवार को गोविंदपुरी स्थित महाराजा अग्रसेन पार्क में बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। संस्था के अध्यक्ष मुन्नू अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपाल कृष्ण अग्रवाल आर्थिक विशेषज्ञ, राष्ट्रीय प्रवक्ता भाजपा एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती सलोनी अग्रवाल उपसेना नायक 44 वी पी०ए०सी वाहिनी मेरठ एवं विनय अग्रवाल कुराली पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूपेंद्र अग्रवाल करेंगे। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे हवन के साथ प्रारंभ होगा। उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम तत्पश्चात अतिथि सत्कार एवं उद्बोधन के बाद दोपहर 1 बजे से महाराजा अग्रसेन पार्क के मुख्य द्वार के बाहर आम जनता के लिए भंडारा प्रसाद वितरण होगा, जो सायं काल तक चलेगा। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष मुन्नू अग्रवाल ने की। बैठक में अग्रबंधु दिनेश सिंघल, संजय गुप्ता, नीरज गुप्ता, डॉक्टर के सी गुप्ता, अरविंद गुप्ता, अशोक बांग्लिश, अजय बंसल, नरेश गोयल, जितेंद्र अग्रवाल, संतोष अग्रवाल अध्यक्ष गोविंदपुरी व्यापार मंडल, बृजमोहन गर्ग अजय गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आंखों के ऑपरेशन का निशुल्क कैंप लगाया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। स्वामी कल्याणदेव धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वाधान में सिखेड़ा रोड मोदीनगर पर निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया।एसडीएम श्रीमती कोमल पंवार ने निःशुल्क आँखों का ऑपरेशन के कैंप का फीता काटकर शुभारंभ किया। शिविर में सैकड़ो लोगों ने आंखों की जांच कराई।आयोजक एवम डॉक्टरों की टीम तथा दूर-दराज से आए हुए मरीजों को शुभकामनाएं दी तथा आगे भी ऐसे धार्मिक कार्य करने की सराहना की। इस अवसर पर राम किशोर अग्रवाल पूर्व राज्य मंत्री, जिलाध्यक्ष उद्योग व्यापार मंडल ने अपने विचार रखते हुए एसडीएम महोदया को कैंप का उद्घाटन करने एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर सभासद नवीन जयसवाल, हरी ओम गुप्ता, अरविन्द अग्रवाल ,पंकज कंसल, राजीव शर्मा सत्येंद्र गौतम आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोदी कॉलेज में 3500 छात्रों ने भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में भाग लिया

परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को जीवन मूल्यों से परिचित कराना है: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डा के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 6 से 12 तक लगभग 3500 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा ओएमआर शीट के माध्यम से संपन्न हुई विद्यालय में प्रतिवर्ष यह परीक्षा गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में आयोजित होती है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया यह परीक्षा विद्यार्थियों के अंदर भारतीय संस्कृति के पोषण और उसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर समाज निर्माण राष्ट्र निर्माण के साथ-साथ सांस्कृतिक तथा नैतिक मूल्यों का विकास और भारतीय संस्कृति का उत्थान एवं उसका पोषण करना है ।

भारतीय संस्कृति का मूल उद्देश्य व्यक्ति का, समाज का ,राष्ट्र का सर्वांगीण विकास करना है । यह संस्कृति प्राचीनतम होने के बावजूद भी आज सुरक्षित है जहां विश्व की अन्य संस्कृतियों नष्ट होती जा रही है वहीं भारतीय संस्कृति किसी ने किसी रूप में आज भी जीवित है। इस परीक्षा के संयोजक डॉक्टर अवनीश कुमार जैन और सहसंयोजक सुधीर शर्मा ने इस परीक्षा के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनकी कर्मठता और लगन से विद्यालय के 3500 छात्रों ने इसमें भाग लिया।

प्रत्येक वर्ष विद्यालय के छात्र जनपद और तहसील स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं इसके लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पिछले कई वर्षों से संस्कृति ज्ञान पुरोधा शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है और दोनों संयोजक और सहसंयोजक को भी विशेष सम्मान पत्रों से सम्मानित किया जा रहा है इस परीक्षा से छात्रों के अंदर भारतीय संस्कृति को जानने और सदैव आगे बढ़ाने की ललक बनी रहे इस परीक्षा का यही उद्देश्य है कि स्कूली बच्चे भारतीय संस्कृति के तथ्यों से अवगत हो तथा उसमें निहित महान तत्वों को आत्मसात कर सके और परीक्षा को करने का मुख्य उद्देश्य और भी है कि छात्रों में संस्कार, संस्कृति तथा जीवन मूल्यों को स्थापित करना है । परीक्षा को संपन्न कराने में विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह और उनके सहयोगी संजीव चौधरी और संजीव कुमार और इसमें सभी कक्षाओं के सम्मानित कक्षा अध्यापकों का सहयोग भी सराहनीय रहा।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों की नियमितीकरण सहित 6 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। 10 से 18 वर्षों से कार्यरत 1 लाख से अधिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारियों की नियमितीकरण सहित 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया।उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत लगभग 1 लाख से अधिक संविदा कर्मचारी विगत 15 से 18 वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनकर कार्य कर रहे हैं। कोरोना काल में अपनी जान की परवाह किए बिना हमने प्रदेश की जनता की सेवा की है। इसके बावजूद हम सभी आज भी नियमितीकरण, समान वेतन, कैशलेस स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, डी ए,एच आर ए जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। शासन प्रशासन को अनेकों बार ज्ञापन देने के बाद भी हमारी मांगों पर कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं हुई है।

इसी क्रम में मंगलवार को अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन देने के अवसर पर मुख्य रूप से ये सभी एन एच एम कर्मचारी किरण, सुरेंद्र , शिव कुमार तेवतिया, परविंदर नगर, रविंद्र रामेंद्र सिंह, दीपक वत्स, तनेश्वर, रविंदर , नगर, डा रचना, हिमानी कौशिक, हरीश, डा आशुतोष, राम कश्यप, डा शिवी अग्रवाल, अभिनव, सुजीत कुमार राय, भागवत जी, रियासत अली जी, विकास सिंह और जितेंद उपस्थित रहे।

आरकेजीआईटी में 'साइबर फॉरेंसिकः सेगफॉल्ट-द एग्जाम सेल कॉन्सपिरेसी' प्रतियोगिता का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेटा साइंस विभाग के डेटा क्वेस्ट क्लब द्वारा 'साइबर फॉरेंसिकः सेगफॉल्ट-द एग्जाम सेल कॉन्सपिरेसी' नामक एक अनोखे एवं रोमांचक तकनीकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान, तार्किक सोच, टीम भावना एवं समस्या-समाधान की क्षमता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में विभाग की एचओडी डॉ. प्रीति शर्मा, श्रीमती पूजा चौधरी, श्री अभिनव दास लोधी, श्रीमती भावना गोयल एवं श्रीमती रेनू सिंघानिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। 'साइबर फॉरेंसिकः सेगफॉल्ट' को कंप्यूटर विज्ञान आधारित जासूसी एवं खजाना-खोज प्रतियोगिता के रूप में तैयार किया गया था, जिसमें प्रतिभागियों को एक लीक हुए डीबीएमएस प्रश्नपत्र से जुड़े रहस्य को सुलझाना था। प्रतियोगिता को टर्मिनल फॉरेंसिक्स, नेटवर्क ट्रेस, द कोडवर्ड एवं फाइनल डिडक्शन जैसे चार चरणों में विभाजित किया गया था।

इस प्रतियोगिता में कुल 55 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने टर्मिनल कमांड, हेक्साडेसिमल एवं दशमलव रूपांतरण, आईपी एड्रेस डिकोडिंग तथा बेसिक सी प्रोग्रामिंग पर आधारित पहेलियों के माध्यम से विभिन्न सुरागों को हल किया।

पूरे कार्यक्रम का प्रबंधन एवं संचालन डेटा क्वेस्ट टीम द्वारा किया गया। टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम की योजना, तकनीकी क्रियान्वयन, प्रतिभागियों के मार्गदर्शन एवं समग्र व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संभाला।

कार्यक्रम के समापन पर विजेताओं को पुरस्कार एवं ट्रॉफियाँ प्रदान की गईं तथा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। यह आयोजन विद्यार्थियों को तकनीकी विषयों को व्यावहारिक, संवादात्मक एवं रोचक तरीके से सीखने का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उनमें नवाचार, टीम भावना, तार्किक सोच एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने की दिशा में डेटा क्वेस्ट क्लब की एक सराहनीय पहल रही।

जनसुनवाई में डीएम ने गंभीरता से सुनीं शिकायतें, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने भूमि एवं संपत्ति पर अवैध कब्जे, राजस्व विवाद, जमीन से जुड़ी धोखाधड़ी, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड समेत विभिन्न समस्याएं जिलाधिकारी के सामने रखीं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में किसी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहें। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े अधिकारियों से कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी एक योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करता है तो उसकी पात्रता अन्य योजनाओं के लिए भी जांची जाए। पात्रता होने पर संबंधित व्यक्ति को दूसरी योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ भी दिलाया जाए।

टैलेंट और दृढ़ संकल्प के साथ, डीपीएस मोदीनगर ने इतिहास रच दिया

16वीं नेशनल इंटर-स्कूल प्रतियोगिता में ओवरऑल विनर की ट्रॉफी जीती, शहर में पहला स्थान हासिल किया और स्कूल का नाम रोशन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मोदीनगर ने टैलेंट, कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रेन-ओ-ब्रेन द्वारा आयोजित 16वीं नेशनल इंटर-स्कूल प्रतियोगिता - बी ओ बी वंडरकिड 2026 में बेहतरीन प्रदर्शन किया। स्कूल ने ओवरऑल विनर की ट्रॉफी जीती और शहर का टॉप स्कूल बना। प्रतियोगिता में स्कूल के छात्रों ने टैलेंट, एकाग्रता, आत्मविश्वास, तेजी से सोचने की क्षमता और लगातार अभ्यास का अद्भुत प्रदर्शन किया। उनकी इस शानदार उपलब्धि ने न केवल स्कूल का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे डीपीएस मोदीनगर परिवार को गर्व और खुशी से भर दिया। इस मौके पर डॉ. विक्रम गांधी (सेक्रेटरी, डी एम ई टी) ने छात्रों और सभी अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा, 'किसी भी उपलब्धि के पीछे लगातार अभ्यास, अनुशासन और बेहतर करने की इच्छा होती है। हमारे छात्रों ने अपने टैलेंट और कड़ी मेहनत से साबित कर दिया है कि दृढ़ प्रयास से हमेशा सफलता मिलती है।' डीपीएस मोदीनगर की प्रो-वाइस चेयरपर्सन श्रीमती अनीशा गांधी ने जीतने वाले छात्रों को दिल से बधाई देते हुए कहा, 'यह गर्व भरी उपलब्धि हमारे छात्रों के टैलेंट, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास का नतीजा है। मुझे यकीन है कि हमारे छात्र भविष्य में भी इसी उत्साह और लगन के साथ नई ऊंचाइयां हासिल करते रहेंगे।' स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. ज्योति सिरोही ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा, 'यह हमारे लिए बहुत खुशी और गर्व का पल है। यह उपलब्धि डीपीएस मोदीनगर के युवा, प्रतिभाशाली छात्रों की लगन और उनके मेंटर्स के संकल्प का गर्व भरा सबूत है। डीपीएस मोदीनगर ने न केवल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, बल्कि बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने टैलेंट की अमिट छाप छोड़ी।

विकसित भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। 17 सितम्बर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक सरकार द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान अन्तर्गत मंगलवार को पूर्णज्ञानाजंली इन्टरनेशनल स्कूल भोजपुर में स्वच्छता अभियान एवं कक्षा-9 से कक्षा-12 तक अध्ययनरत छात्रों के मध्य विकसित भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सुचिता सिंह ब्लॉक प्रमुख भोजपुर थी। सर्वप्रथम माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। अध्ययनरत बच्चों द्वारा विकसित भारत मेरे सपनों का भारत विषय पर बहुत ही सुन्दर एवं भावात्मक सन्देश की चित्रकला बनाई गई। जिसका अवलोकन ब्लॉक प्रमुख द्वारा किया गया। तत्पश्चात परिणाम स्वरूप प्रथम स्थान अशुमान राज कक्षा-9, द्वितीय स्थान मोना कक्षा 9 एवं तृतीय स्थान मुस्कान वेद कक्षा-9 को पुरस्कार वितरित किया गया। विद्यालय प्रबन्धक योगेन्द्र कुमार प्रधानाचार्य निरंजन सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचिता सिंह द्वारा बच्चों के साथ मिलकर विद्यालय में तथा आर-पास साफ-सफाई का वृहद्ध अभियान चलाकर सफाई की गई। ब्लॉक प्रमुख द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि हम सभी को भरसक प्रयास करके सन 1947 तक भारत देश को विकसित राष्ट्र बनाना है। सभी बच्चे अपना घर एवं विद्यालय को स्वच्छ एवं सुन्दर रखें क्यों कि स्वच्छ वातावरण में शरीर भी स्वस्थ रहता है। बच्चों को फास्ट फूड ना खाने एवं उससे बचने की प्रेरित किया। बच्चों को एक लक्ष्य बनाकर उस पर शतःप्रतिशत कार्य सम्पादित करने हेतु दिशा-निर्देश ब्लॉक प्रमुख द्वारा दिये गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधानाचार्य निरंजन सिंह, शिक्षक गण रामकिशन, बिन्दु राणा, सरित वशिष्ठ, एवं शाभित कुमार का विशेष योगदान रहा।

राधा छठी के उत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब, भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पाया प्रसाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पटेल नगर सेकेंड में मंगलवार को डॉ. ओपी अग्रवाल के निवास पर राधा छठी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धार्मिक आयोजन के साथ भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर विधायक संजीव शर्मा रहे। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने राधा रानी के जयकारे लगाए और धार्मिक वातावरण में पर्व की खुशियां साझा कीं। राधा छठी के अवसर पर आयोजित भंडारे में हलवा-पूरी समेत विभिन्न प्रसाद श्रद्धालुओं को वितरित किए गए। दोपहर से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। आयोजकों और स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करने के साथ व्यवस्थाओं को संभाला। आसपास के लोगों के अलावा सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी आयोजन में भाग लिया।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर गांमी पुल का शिलान्यास विजय नगर से कृष्णा नगर-बागू जुड़ेंगे सीधे

सांसद अतुल गर्ग एवं शहर विधायक संजीव शर्मा ने किया संयुक्त रूप से शुभारंभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के ऊपर विजय नगर से कृष्णा नगर-बागू को जोड़ने वाले गांमी पुल के निर्माण कार्य का मंगलवार को शिलान्यास किया गया।

विजय नगर बाईपास पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग और शहर विधायक संजीव शर्मा ने संयुक्त रूप से परियोजना का शुभारंभ किया। करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पुल को लगभग एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। पुल पर पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए कुल तीन लिफ्ट लगाई जाएंगी। इनमें दो विजय नगर और एक बागू की तरफ होगी।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि बढ़ती आबादी और यातायात दबाव के बीच बेहतर कनेक्टिविटी जरूरी है। वहीं विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि पुल बनने से विजय नगर, कृष्णा नगर, बागू और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में ठलअक के अधिकारियों समेत जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्लॉट कब्जे के विवाद में चली गोली, हत्या के प्रयास के मामले में तीन गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में प्लॉट पर कब्जे को लेकर हुए विवाद में फायरिंग और पथराव के मामले में पुलिस ने तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 21 सितंबर को वादी ने तहरीर देकर ऋषिपाल, उसके पुत्र विक्रान्त, गजेन्द्र और एक अज्ञात व्यक्ति पर पथराव करने तथा जान से मारने की नीयत से लाइसेंसी

रिवाल्वर से गोली चलाने का आरोप लगाया था।

फायरिंग में वादी बाल-बाल बच गया, जबकि गोली लगने से सन्दीप पुत्र कृष्णपाल घायल हो गया। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने ऋषिपाल, विक्रान्त और गजेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक घटनास्थल से फील्ड यूनिट ने एक रिवाल्वर, नौ खोखे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 27/30 भी बढ़ाई गई है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

कनावनी में 40वें दिन भी किसानों का धरना जारी, राजस्व अभिलेखों में नाम बहाली की मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्राम कनावनी में किसानों का अपनी मांगों को लेकर चल रहा धरना मंगलवार को लगातार 40वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने कहा कि खसरा-खतौनी एवं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम बहाल होने तक आंदोलन जारी रहेगा। किसानों का आरोप है कि न्यायालय द्वारा प्रशासन के लिए निर्धारित समय-सीमा समाप्त हुए करीब एक माह बीत चुका है, लेकिन अब तक नाम बहाल नहीं किए गए हैं। इसके बजाय भूमि का मुआवजा तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

किसानों ने प्रशासन से न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए राजस्व अभिलेखों में नाम बहाल करने और मुआवजा प्रक्रिया रोकने की मांग की। किसान रामपत सिंह नागर और चतर सिंह नागर ने कहा कि आसपास के गांवों से लगातार समर्थन मिल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से जारी रहेगा तथा किसान किसी दबाव में पीछे नहीं हटेंगे।

बुजुर्गों से मिला युवाओं का अपनापन, 'ब्रिजिंग जेनरेशन्स' ने जोड़ी पीढ़ियों की कड़ी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षण और कल्याण के लिए संचालित 'ऑपरेशन सवेरा' के तहत दुहाई स्थित आवासीय वृद्धाश्रम में 'ब्रिजिंग जेनरेशन्स' सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम ग्लोबल हैप्पीनेस फाउंडेशन और सिल्वर बेल्स स्कूल ने संयुक्त रूप से 'प्रोजेक्ट कर्तव्य' के तहत आयोजित किया।

इस दौरान स्कूल के छात्र-छात्राओं ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात की। बच्चों ने उनके जीवन-अनुभव सुने और महत्वपूर्ण सीख हासिल की।

वहीं, बुजुर्गों को समय और स्नेह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा और वरिष्ठ पीढ़ी के बीच संवाद बढ़ाकर पीढ़ीगत दूरी कम करना रहा। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिक सेल और थाना मधुबन बापूधाम पुलिस ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

पुलिस के अनुसार प्रदेश में 16.5 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक सवेरा योजना में पंजीकृत हैं। पुलिस ने 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों से योजना में पंजीकरण कराने की अपील की है।

पृथला के जर्जर मकान की समस्या को लेकर किसान यूनियन ने एडीसीपी से की मुलाकात

- ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई की मांग, एडीसीपी ने दिया नियमानुसार समाधान का आश्वासन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पृथला गांव में जर्जर मकान से आमजन की सुरक्षा को लेकर भारतीय किसान यूनियन मंच के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को एडीसीपी से मुलाकात की। प्रदेश संगठन मंत्री सोनू यादव के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने एडीसीपी को बुके भेंट कर सम्मानित किया और जर्जर मकान से आसपास रहने वाले लोगों को संभावित खतरे की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मकान की स्थिति काफी जर्जर है, जिससे कभी भी हादसा होने की आशंका बनी हुई है। समस्या के समाधान और आवश्यक कार्रवाई की मांग को लेकर एडीसीपी को ज्ञापन भी सौंपा गया। एडीसीपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही नियमानुसार उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव मनमिन्दर भाटी, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष चिंकू यादव, प्रदेश महासचिव प्रेम सिंह यादव, प्रदेश सचिव जोगिंदर यादव, जिला अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर अक्षय मुखिया समेत संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे स्नैचर को मुठभेड़ में दबोचा

तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद; साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने सोमवार को चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में एक कथित स्नैचर को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, दो खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार, कनावनी पुलिया के सामने ग्रीन बेल्ट, वैशाली की ओर पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 5/6 की पुलिया की तरफ से बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो दोनों बाइक मोड़कर भागने लगे। आरोप है कि भागते समय उन्होंने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की।

पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल आरोपी की पहचान सोहेल निवासी मयूर विहार, दिल्ली के रूप में हुई। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गणेश विसर्जन पर ट्रैफिक का रहेगा खास पहरा, एडीसीपी ने परखे डायवर्जन प्वाइंट

=कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अनंत चतुर्दशी पर 24 और 25 सितंबर को होने वाले गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर पुलिस ने यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वरुण कुमार सिंह ने साहिबाबाद और ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्रों में विसर्जन स्थलों, प्रमुख यातायात दबाव वाले स्थानों और डायवर्जन प्वाइंट का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों को पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और वाहनों की आवाजाही को देखते हुए यातायात को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि विसर्जन के दौरान प्रमुख मार्गों पर यातायात दबाव बढ़ने की संभावना को देखते हुए आवश्यकतानुसार डायवर्जन और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों को भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

स्कूलों के आसपास नशे का कारोबार मिला तो होगी कड़ी कार्रवाई

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर की बैठक एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विद्यालयों के आसपास शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए। एडीएम सिटी ने संबंधित विभागों को नियमित निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन मिलने पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में भी नियमित जांच अभियान चलाने को कहा। साथ ही युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने आमजन से नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री या तस्करी की सूचना तत्काल पुलिस

अथवा प्रशासन को देने की अपील की।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार 22 अगस्त से 20 सितंबर तक 21 मुकदमे दर्ज कर 32 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें तीन महिलाएं और 29 पुरुष शामिल हैं। कार्रवाई में 179.476 किलो गांजा, 0.126 किलो नशीला पदार्थ और 0.581 किलो नशीली गोलियां बरामद की गईं।

मिलेट्स महोत्सव में नाशरा का हुनर छाया, जीता प्रथम पुरस्कार

श्री अन्न के व्यंजनों ने बिखेरा स्वाद, किसानों को पोषण और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। हिन्दी भवन, लोहिया नगर में मंगलवार को जनपद स्तरीय श्री अन्न महोत्सव एवं मिलेट्स मेला आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में मिलेट्स के उत्पादन, पोषण, प्रसंस्करण और दैनिक आहार में उपयोग को लेकर किसानों एवं आमजन को जागरूक किया गया। महोत्सव में आयोजित मिलेट रेसिपी प्रतियोगिता में नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज, चंद्रपुरी की छात्रा कु. नाशरा ने प्रथम स्थान हासिल किया। उन्हें 7 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। द्वितीय पुरस्कार स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष कुसुमलता को 5 हजार और तृतीय पुरस्कार मिलेट्स फॉर हेल्थ, नोएडा को 2 हजार रुपये दिए गए। चार छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने 20 किसानों को सरसों के मिनीकिट वितरित किए। वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने मिलेट्स के स्वास्थ्य लाभ, फसल बीमा, पशुपालन, उद्यान, सहकारिता एवं कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। किसानों को पराली न जलाने और पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

बर्थडे सेलिब्रेशन में परोसी सब्जी में मिला मरा कॉकरोच, गरम धरम ढाबे पर उठे सवाल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मोहन नगर स्थित गरम धरम ढाबे में बर्थडे सेलिब्रेशन के दौरान परोसी गई सब्जी में मरा हुआ कॉकरोच मिलने का आरोप सामने आया है। घटना के बाद भोजन की गुणवत्ता और ढाबे की साफ-सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़िता दिव्या परिहार के मुताबिक, वह बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए परिवार के साथ ढाबे पहुंची थीं। भोजन के दौरान सब्जी में मरा हुआ कॉकरोच दिखाई दिया। आरोप है कि इसकी शिकायत स्टाफ से करने के बावजूद जिम्मेदारी लेने और संतोषजनक कार्रवाई करने को लेकर

गंभीरता नहीं दिखाई गई। घटना की फोटो भी सामने आई है, जिसमें सब्जी में कथित तौर पर कॉकरोच दिखाई दे रहा है। पीड़िता ने मामले को लेकर नाराजगी जताते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है। मामले में संबंधित विभाग की कार्रवाई और ढाबा प्रबंधन का पक्ष सामने आना बाकी है।